INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-50 | मथुरा, गुरुवार, 16 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

earthousing BUILDTECH LLP

चलो वृंदावन

AKSHAY TRITIYA SPECIAL
GOLDEN PROPERTY CARNIVAL

इस अक्षय तृतीया प्लॉट भी आपका,
गोल्ड भी आपका, साथ ही परिवार के साथ
विदेश यात्रा का सुनहरा अवसर

GUARANTEED GIFT
5 GRAM GOLD COIN
ON INSTANT BOOKING

MEGA LUCKY DRAW
WIN A FAMILY FOREIGN TRIP*
(4NIGHTS / 5 DAYS)
WINNER WILL BE SELECTED VIA LUCKY DRAW

LIMITED PERIOD
OPPORTUNITY

17,18,19 APRIL 2026

BOOK NOW WITH JUST
₹ 5,00,000*

*T&C APPLY

+91 9568-600-700

VENUE
SHRI VRINDA VIHAR
NEAR MAGHERE WALE HANUMAN JI MANDIR
RAAL ROAD, VRINDAVAN, MATHURA

www.earthousing.com | info@earthousing.com

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-50 | मथुरा, गुरुवार, 16 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मोटरबोट हादसे का सर्च ऑपरेशन आज हुआ पूरा

लापता पंकज का शव हादसे के सातवें दिन बाद मिला

मोटरबोट हादसे का शिकार हुए पंकज मल्होत्रा का फाइल फोटो

परिवार ने खो दिया कमाऊ बेटा पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गया

यूनिक समय, मथुरा। पंकज मल्होत्रा के परिवार के लोग मथुरा में इस उम्मीद से ठहरे हुए थे कि उसका शव मिलने के बाद ही लेकर यहां से जाएंगे। इस बारे में उसके मामा के लड़के अनिकेत खन्ना ने बताया कि भाई पंकज मल्होत्रा उनकी बुआ का बेटा था। वह हिमाचल में स्टील कंपनी में मैनजर थे। वह हर साल परिवार के साथ वृंदावन आते थे। इस बार भी वह वृंदावन आए थे।

दो बहनों के बीच पंकज अकेला भाई था

उनकी मौत से परिवार बेहद सदमे में है। हम लोग इस उम्मीद को लेकर मथुरा में ठहरे हुए थे कि जल्द ही पंकज मल्होत्रा के शव को भी रैस्क्यू टीम खोज निकालेगी। शव को लेकर घर जाएंगे। अनिकेत ने बताया कि भाई अकेला कमाने वाला था।

पंकज की तलाश को चलाया जा रहा था ऑपरेशन

लापता हुए सभी 16 शवों को टीम कर चुकी है रैस्क्यू

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में हुए मोटरबोट हादसे में यमुना में लापता हुए अंतिम मृतक पंजाब के पंकज मल्होत्रा का शव आज सातवें दिन पानी में फूल ने के बाद ऊपर आ गया। सात दिन से रेस्क्यू टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन चलाकर शव को तलाश कर रही थीं।

सात दिन पूर्व शुक्रवार को पंजाब से आए श्रद्धालुओं के एक दल के 38 सदस्य जिसमें महिला और पुरुष शामिल थे। एक मोटरबोट में सवार होकर भजन कीर्तन कर रहे थे। इसी दौरान मोटरबोट पीपा के पुल से टकराने के बाद यमुना में उलट गई थी। इस घटना में मौके पर ही तुंरत 22 श्रद्धालुओं को यमुना से बाहर सकुशल बचा लिया था।

इसके साथ ही 16 श्रद्धालु यमुना में डूब गए थे। इनकी तलाश करने के लिए एनडीआरएफ एसडीआरएफ, पीएसी और सेना की टीमों और गोताखोरों के लगाया गया था। सोमवार को प्रातः आठ बजे हादसे वाले स्थान से 12 किलो मीटर दूर बंगाली घाट से लुधियाना निवासी मोनिका टंडन का शव मिला था, देवराह घाट से यश भल्ला निवासी लुधियाना के शव को रैस्क्यू टीम द्वारा खोज निकला था। यमुना में डूबे लोगों की तलाश में लगी टीमों ने इस तरह सोमवार तक 15 शवों को बरामद कर लिया था। प्रशासन ने शवों को पोस्टमार्टम के बाद एम्बुलेंस से उनके परिवारों के साथ पंजाब भिजवा दिया था।

पंकज मल्होत्रा के शव की तलाश में रैस्क्यू टीम लगातार यमुना में सर्च ऑपरेशन चला रही थी।

देवराह घाट के पास पानी में तैरता मिला शव

यूनिक समय, मथुरा। रैस्क्यू टीम में लगे 125 से अधिक सदस्यों को आज सातवें दिन बड़ी सफलता मिल गई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ पीएसी की टीम और गोताखोरों को आज पंकज मल्होत्रा का शव घटना स्थल से करीब ढाई किलो मीटर दूरी पर देवराह बाबा घाट और पानी गांव पुल के नीचे पानी में फूलने के बाद तैरता मिल गया। टीम ने शव को बरामद करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने विपक्ष पर बोला हमला

नोएडा प्रकरण में विदेशी फंडिंग की हो रही जांच सामने आएगा सच

गो ग्राम परखम में श्री राम कथा के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित करते उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक। साथ हैं विधायक पूरन प्रकाश, जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल। संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। गुरुवार को गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा में शामिल होने आए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने महिला आरक्षण को लेकर विरोधी दलों पर हमला बोला। कहा कि नोएडा में हुए मजदूरों के आंदोलन में विदेशी फंडिंग के आरोपों की जांच की जा रही है, जल्द सच सामने आएगा।

दीनदयाल कामधेनु गोशाला में चल रहे विभिन्न प्रकल्पों को सामने रखते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह गोशाला विश्व में पहचान बनाएगी और रोजगार, स्वदेशी को बढ़ावा देगी।

राम कथा में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि का आशीर्वाद लेने के बाद उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। कहा कि राम ने आदर्श मनुष्य का जीवन जिया, जबकि श्रीकृष्ण ने अन्याय के खिलाफ सुदर्शन चक्र चलाया था।

गोशाला विश्व में पहचान बनाएगी और रोजगार, स्वदेशी को देगी बढ़ावा

अगर हम पर भी कोई अत्याचार करता है तो हमें उसका जवाब देना होगा। श्रीकृष्ण ने अपने मामा को भी अत्याचार करने पर मारा था। उन्होंने कहा कि दीनदयाल कामधेनु गो शाला विश्व में पहचान बनाएगी। राम कथा के आयोजन से क्षेत्र को एक नई पहचान मिली है।

रामकथा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने उपमुख्यमंत्री को आशीर्वाद प्रदान करते हुए धर्म और संस्कृति के संरक्षण में उनके योगदान की सराहना की। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने महिला बिल को लेकर कांग्रेस ने और समाजवादी पार्टी पर हमला बोला।

निर्दोषों का दर्द — पूछ रहे हैं कि मासूम, क्या कसूर था उनका

वह तो भगवान के स्वरूप में बालक थे...

यूनिक समय, मथुरा। 13 अप्रैल का दिन, न्यायालय परिसर में पुलिस की गाड़ी से उतरते दो मासूम बच्चे अपनी मां के साथ दिखाई दिए तो हर कोई उनका कसूर पूछने लगा। आखिर इन मासूम बच्चों ने ऐसा क्या किया कि पुलिस की कस्टडी में अदालत तक का आना पड़ा। लोगों के मन में तो कुछ होगा किंतु बाल अवस्था में बच्चों के मन में भी टीस होगी कि वह अपने घर को छोड़कर पुलिस कस्टडी में कोतवाली के अंदर धरती पर सोए। वह पुलिस के साए में गाड़ी के अंदर बैठकर कोर्ट तक पहुंचे। बच्चे बड़े होंगे तो उनके मन में एक प्रश्न कौधेगा कि उनका कसूर क्या था।

बच्चों की मासूमियत को लेकर सोशल मीडिया पर उस कथा वाचक को खूब कोसा जा रहा है। गौरतलब है कि 12 अप्रैल को हुए विवाद के बाद कथा वाचक की तहरीर पर वृंदावन कोतवाली पुलिस ने तीन महिला और तीन पुरुष के साथ दो मासूम बच्चों को अपनी हिरासत में ले लिया। सोशल मीडिया पर बच्चों को लेकर कथा वाचक पर अंगुली उठाई जा रही है। प्रश्न किए जा रहे हैं कि कम से कम बच्चों पर तो दया दिखाई होती। बच्चे तो भगवान का रूप होते हैं। इस बात को कथा वाचक भी अपनी कथा में कहते हैं। कथा में वह यह भी सीख देते हैं कि कभी घमंडी मत बनना। लेकिन उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ हुए विवाद में घमंड भी दिखाया और मासूमों पर दया भाव नहीं दिखाया। बड़ों की गलती के साथ बच्चों को भी वह दिन दिखवाया जिसकी कि वह कल्पना तक नहीं कर सकते थे। काश.. ऐसे किसी विवाद में कथा वाचक के परिवार और बच्चों के साथ भी कुछ ऐसा ही होता तो वह क्या करते। यह सोचने की बात भी सोशल मीडिया पर उठाई जा रही

कथा वाचक भी इस बात को मानते हैं

फिर पुलिस कस्टडी में क्यों सुलाया, अदालत में क्यों पहुंचाया

बचपन की यादें बड़े होने पर याद आएंगी

है। अदालत में पेशी के बाद जज ने दलीलों के बाद सभी को जमानत दे दे दी। परिवार के लोग बच्चों को लेकर दिल्ली चले गए। अब दिल्ली में अपने परिवार, शुभचिंतक और पड़ोसियों के बीच अपनी पीड़ा को सुनाते–सुनाते रो पड़ते हैं। कहते हैं कि वृंदावन यात्रा का यह क्षण हमेशा उनको याद रहेगा।

कुछ लोगों ने यह बात भी शेयर की है कि कथा वाचक ने अपनी वीडियो में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का उल्लेख किया। उनकी बातों का मतलब है कि इस मामले को दबाने का प्रयास किया तो खामियाजा भुगतना पड़ेगा। मतलब बात घुमा फिरा कर सरकार को सीधी धमकी देना है। उन्होंने सपोर्ट के लिए कई पुलिस अधिकारियों के नाम का भी उल्लेख किया। कहा कि उनके लिए धन्यवाद।

खैर, अब मामला इतना अधिक तूल पकड़ गया है कि राष्ट्रीय बाल आयोग तक पहुंच गया है। साथ ही मथुरा की एक अदालत ने भी संज्ञान लेकर पुलिस से वीडियो के साथ रिपोर्ट तलब की है। इससे पहले कथा वाचक वायरल वीडियो में दो शब्दों के लिए वृंदावन के लोगों से क्षमा मांगते नजर आ रहे हैं। अब समय बताएगा कि कथा वाचक की रसूखदारी क्या रंग दिखाती है।

संजय गौतम बने जनसंपर्क अधिकारी

प्रशस्ति श्रीवास्तव का पूर्वोत्तर रेलवे में स्थानांतरण

यूनिक समय, आगरा। आगरा रेल मंडल में जनसंपर्क अधिकारी के पद पर कार्यरत प्रशस्ति श्रीवास्तव के पूर्वोत्तर रेलवे जोन में स्थानांतरण के बाद सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) संजय कुमार गौतम को जनसंपर्क अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। संजय कुमार गौतम अपने अनुभव एवं दक्षता के बल पर जनसंपर्क से जुड़े दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

हाईवे पर हुए सड़क हादसों में दो की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित हाईवे पर दो अलग–अलग स्थानों पर बाइक सवार युवकों को ट्रक ने टक्कर मारी दी, जिससे दोनों युवकों की मौत हो गई। हाईवे पर आज प्रातः राधापुरम स्टेट के समीप बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए युवक की भी मौत हो गई। इसी तरह एक दूसरी दुर्घटना में हाईवे पर जयगुरुदेव के समीप जगदीश पुत्र रत्न सिंह अगनपुरा मंडी से सब्जी खरीदने के बाद मोटरसाइकिल रिक्शा से गांव लौट रहा था। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पापियों का अंत करके श्री राम ने स्थापित किया था आदर्श

ग्रो ग्राम परखम में चल रही राम कथा में व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि से आशीर्वाद लेते जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल। दूसरे चित्र में उपस्थित जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, केडी विश्वविद्यालय के डायरेक्टर मनोज अग्रवाल, प्रमोद गर्ग कसेरे।

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। श्री राम ने पापियों का अंत करके आदर्श राजा स्थापित किया था, रामराज की कल्पना को साकार किया था। नारी शक्ति के उत्थान के लिए काम किया और आदर्श पुरुष कहलाए।

गुरुवार को गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने श्रद्धालुओं को यह कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि बेटी और अनुज वधु को एक समान मानना चाहिए। बाली ने अनुज की वधू को अपने कब्जे में किया तो श्री राम ने उसका अंत कर दिया। आदर्श स्थापित करने के लिए लंका जाकर रावण और उसके अत्याचार का भी अंत किया।

गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने सुनाई राम राज्य की कथा

आचार्य ने कहा कि दुख के समय हमेशा भगवान को याद रखना चाहिए, सुख में भी ऐसा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रावण वध करने के बाद अयोध्या लौटने पर श्री राम ने कई साल तक आदर्श राज किया। उन्होंने छोटे–बड़े का भेद भी मिटाया, समाज में भेदभाव को भी मिटाया था।

व्यास गद्दी का पूजन यजमान सुरेश कौशिक, साधना कौशिक, यूपी के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, उत्तराखंड के मंत्री मदन कौशिक, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, गणेश जोशी प्रमोद शर्मा, सविता अवाना, डॉ. दिनेश, मनिका शर्मा, अमित गोयल, रजनी गोयल, मनोज अग्रवाल, प्रभात कुमार, रानी पक्षालिका सिंह, डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, एसडीएम अभिनव जी जैन आदि ने किया।

कथा में जगमोहन पाठक, अजीत महापात्रा, आर्येंद्र, जगमोहन पाठक, पूर्व ब्लॉक प्रमुख हरेंद्र सिंह, कीर्ति कुमार, विधायक पूरन प्रकाश, निदेशक सोनपाल, महीपाल सिंह, भवानी शंकर पचौरी, मीडिया प्रभारी श्रवण कुमार और ब्रज के संत महंत और हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। वेद मंत्रों के साथ व्यास गद्दी का पूजन और संचालन पवन दत्त मिश्र और प्रमोद पांडे ने किया।

ब्रज के संतों की रही सहभागिता

राम कथा के दौरान ब्रज के संत और महंत भी बड़ी संख्या में कथा का आनंद लेने पहुंचे। कई संतों को मंच पर विराजमान होने और श्रद्धालुओं को संबोधित करने का भी अवसर मिला। ऐसे संतों ने ब्रज और कृष्ण की महिमा से श्रद्धालुओं को परिचित भी कराया।

इन्होंने किया स्वागत

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद कथा समिति अध्यक्ष जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनूप चौधरी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाठक, हरेंद्र सिंह, अनिल सिंह, पारस ठाकुर, मनीषा पाराशर, मनीष ओझा, जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, विधायक पूरन प्रकाश, महीपाल सिंह, सुरेश तरकर तथा सतीश अवाना आदि ने स्वागत किया।

तापमान / मौसम

26 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

16 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,54,170
22 कैरेट 1,41,836
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,53,440 प्रति किलो

गो ग्राम परखम में कल होगा भंडारा

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा का गुरुवार को रामराज की कथा के साथ विश्राम हुआ। अब शुक्रवार को भंडारा आयोजित होगा। राम कथा समिति के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं से भंडारे में सहभागिता करने की अपील की है।

बरारी से टाउनशिप तक सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग पर हुई कार्रवाई

222 वाहनों के चालान से मचा हड़कंप

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। बरारी से टाउनशिप तक सर्विस रोड पर हो रही अवैध ट्रक पार्किंग के खिलाफ गुरुवार को संयुक्त अभियान चलाया गया। इस अभियान में एआरटीओ, ट्रैफिक पुलिस, रिफाइनरी थाना पुलिस तथा दिल्ली–आगरा हाईवे टीम ने मिलकर सख्त कार्रवाई की।

अभियान के दौरान सर्विस रोड के दोनों ओर खड़े वाहनों को चिन्हित कर कार्रवाई की गई।

अधिकारियों ने बताया कि अवैध पार्किंग के चलते यहां लगातार जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति बन रही थी, जिसे ध्यान में रखते हुए यह विशेष अभियान चलाया गया।

संयुक्त टीम ने मौके पर लगभग 222 वाहनों के चालान किए। कार्रवाई के दौरान कई वाहन चालकों को सख्त चेतावनी भी दी गई कि भविष्य में सर्विस रोड पर अवैध रूप से वाहन खड़े करने पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध पार्किंग के खिलाफ चलाए अभियान में शामिल अधिकारी।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अभियान एक दिन की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आगे भी नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाए जाएंगे, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

इस अभियान में एआरटीओ सतेंद्र सिंह, ट्रैफिक इंस्पेक्टर शौर्य कुमार, रिफाइनरी थाना से एसआई प्रेम पाल यादव, महुवन प्लाजा मैनेजर ओकिल शर्मा, घटना प्रबंधक दीपक खटाना तथा हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौजूद रही।

प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध पार्किंग करने वालों में हड़कंप की स्थिति रही, वहीं स्थानीय लोगों ने अभियान को राहतभरा कदम बताया।

वृंदावन बालिका गृह से पांच बालिकाओं के पलायन की मजिस्ट्रेट जांच शुरू

यूनिक समय, मथुरा। अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति) नन्द प्रकाश मौर्य ने बताया है कि 26 जनवरी 2026 को राजकीय बाल गृह (बालिका), वृंदावन से रात्रि के समय पांच बालिकाओं के पलायन की घटना की मजिस्ट्रेट जांच कराई जा रही है। जांच अधिकारी नन्द प्रकाश मौर्य ने यदि इस घटना के संबंध में किसी के पास कोई जानकारी, लिखित अथवा मौखिक अभिकथन या अभिलेखीय प्रमाण उपलब्ध हों तो वे उन्हें प्रस्तुत करें। इच्छुक व्यक्ति अपने प्रमाण कलेक्ट्रेट स्थित अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति) कार्यालय में 20 अप्रैल तक, प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न तीन बजे के बीच प्रस्तुत कर सकते हैं। या निर्धारित तिथि तक ई–मेल पर भी दे सकते हैं।

20 अप्रैल तक मांगे गए प्रमाण

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

ट्रक ने बुग्गी में मारी टक्कर, चालक व ऊंट की मौत

आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाया जाम

दुर्घटना के बाद मौके पर जांच पड़ताल करती पुलिस।

घटना के बाद विलाप करते मृतक के परिजन।

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव क्षेत्र के उत्तरी बाईपास पर नगला अकोस की पंचायत के गांव बेरा के समीप आज प्रातः ऊंट बुग्गी में तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक ऊंट व बुग्गी को 500 मीटर सड़क पर खींचता हुआ ले गया। दुर्घटना में ऊंट और युवक की दर्दनाक मौत हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर जाम लगा दिया। पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाया।

नगला संजय निवासी सलीम खान

ट्रक 500 मीटर से अधिक बुग्गी को घसीटता ले गया

एसएचओ ने लोगों को समझा कर खुलवाया जाम

घर से ऊंट बुग्गी को लेकर भूसा भरने के लिए प्रातः करीब साढ़े पांच बजे निकला था। वह बुग्गी को लेकर जैसे ही अगरा-बल्देव मार्ग के बाईपास पर पहुंचा।

इसी बीच तेज रफ्तार से आते अनियंत्रित ट्रक ने ऊंट बुग्गी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक ने ट्रक को नहीं रोका और उसे 500 मीटर से अधिक दूरी तक घसीटता हुआ ले गया। दुर्घटना होती देख ग्रामीणों ने ट्रक का पीछा किया था, लेकिन चालक ट्रक को लेकर भाग गया। दुर्घटना में बुग्गी चला रहा सलीम और ऊंट की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई तथा बुग्गी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग को लेकर जाम लगा दिया। घटना का पता लगने पर थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझा कर जाम खुलवाया। इस दौरान बड़ी संख्या में दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। पुलिस ने सलीम के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सलीम ने अपने पीछे पत्नी रूबी व बेटा बिट्टू व बेटी छोड़ी है। सलीम की हुई मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

पुलिस ने चेकिंग के दौरान पकड़ी 1,946 ग्राम अफीम

गिरफ्तार किये गये तीन शातिर तस्कर और बरामद नशीला पदार्थ।

यूनिक समय, मथुरा। एएनटीएफ ऑपरेशनल यूनिट आगरा और रिफाइनरी पुलिस ने चेकिंग के दौरान स्विफ्ट कार सवार तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार में बनाये गये एक गुप्त तहखाने से 1,946 ग्राम अफीम बरामद की है। अफीम को चार पैकेट में छिपाकर लाया जा रहा था। एएनटीएफ ऑपरेशनल यूनिट आगरा की टीम और रिफाइनरी पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर नशे की अंतरराज्यीय तस्करी करने वाले गैंग के तीन सदस्यों की स्विफ्ट कार को बरारी स्थित नेशनल हाईवे की सर्विस लाइन के सामने बने आम्बेडकर पार्क के निकट चेकिंग के दौरान पकड़ लिया। पुलिस ने कार की अच्छी तरह तलाशी ली, लेकिन कार में कुछ ऐसा नहीं मिला जिसकी पुलिस को तलाश थी। पुलिसकर्मियों ने कार को बारीकी से चेक किया तो चालक और

स्विफ्ट कार से तस्करी की ले जाते तीन तस्कर गिरफ्तार

उसकी बराबर वाली सीट के बीच में बनाये गये एक गुप्त बॉक्स को खोल कर देखा तो वहां चार पैकेट मिले। पैकेट में 1,946 किलो ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने शातिर तस्करों से तलाशी के दौरान 6,710 की नकदी और तीन मोबाइल फोन के अलावा विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड और आधार कार्ड, पेन कार्ड और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम स्कलदेव निवासी चतरा झारखंड, चंदन कुमार निवासी गया बिहार, अमित कुमार निवासी हजारी बाग झारखंड बताये हैं। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए बरामद सामान और कार को जब्त कर लिया है।

ओडीओपी योजना में युवाओं को मिलेगा ऋण

यूनिक समय, मथुरा। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र मथुरा के उपायुक्त उद्योग ने जनपद के इच्छुक युवक-युवतियों एवं भावी उद्यमियों से अपील की है कि वे उत्तर प्रदेश सरकार की 'एक जनपद एक उत्पाद' (ओडीओपी) वित्त पोषण सहायता योजना का लाभ उठाकर अपना स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकते हैं। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत टैप्स एंड काक्स, ठाकुर जी की पोशाक निर्माण, श्रृंगार सामग्री, मूर्ति निर्माण, कंठी माला सहित अन्य पारंपरिक एवं स्थानीय उत्पादों से संबंधित निर्माण, सेवा अथवा व्यवसाय शुरू करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है।ह्न इसके माध्यम से युवा अपने कौशल के आधार पर रोजगार सृजन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट पर कर सकते हैं।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया और पात्रता

आवेदन के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र, बिजली बिल, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं शपथ पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा। आवेदक की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।

साथ ही यह भी आवश्यक है कि आवेदक या उसके परिवार के किसी सदस्य ने पूर्व में किसी भी केंद्र या राज्य सरकार की योजना के अंतर्गत मार्जिन मनी (सब्सिडी) का लाभ प्राप्त न किया हो। इस योजना से युवाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर मिलेगा और स्थानीय उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा।

मजदूर ने घर में फंदा लगा कर की आत्महत्या

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव के गांव नगरिया (हथौड़ा) में बीती देर रात एक मजदूर (ग्रामीण) ने फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। मजदूर की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। वहीं ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव हथौड़ा नगरिया निवासी दिनेश (40) खेती के अलावा मजदूरी का काम करता था। बताया गया उसने बीती रात घर के अंदर फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। दिनेश द्वारा आत्महत्या किए जाने का पता लगने पर परिवार में हड़कंप मच गया। हर कोई इस बात को लेकर हैरान और परेशान था कि दिनेश ने आत्महत्या जैसी वारदात को अंजाम देने के लिए इस तरह का निर्णय किस कारण लिया। दिनेश ने अपने पीछे चार बच्चे छोड़े हैं। दो लड़के और दो लड़कियां हैं। दिनेश द्वारा आत्महत्या कर लिए जाने का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हत्या के मामले में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय मथुरा। थाना बल्देव पुलिस ने हत्या की घटना को अंजाम देने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। हत्या में प्रयुक्त की गई दो लाठियां भी अभियुक्तों की निशानदेही पर बरामद की गई हैं। थाना बल्देव पुलिस ने गढ़उमराव थाना सादाबाद जनपद हाथरस निवासी पप्पू सिंह व महेश को लाठी आदि से पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में दर्ज कराए गए मुकदमे के सिलसिले में एक सूचना के आधार पर खडैरापुल के समीप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयोग की गई दो लाठी भी बरामद की है।

टायर पंक्चर वाले से मारपीट के मामले में रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। कार में पंक्चर लगाने के लिए जाने से मना करने पर राया कट पर एक पंचरवाले के साथ कुछ युवकों ने जमकर मारपीट की। इस मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना यमुनापार के राया कट पर आजम की टायर पंक्चर की दुकान है। बताया गया कि 13 अप्रैल को चार युवक रात को उसकी दुकान पर आए और उसे कार में हुए पंचर को लगाने के लिए अपने साथ चलने को कहा। आजम ने रात का समय होने के कारण उनके साथ पंक्चर लगाने के लिए जाने को मना कर दिया। इस पर इन युवकों ने उसके साथ जमकर मारपीट की। इस मामले में वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने मारपीट करने वाले राया के रहने वाले चार युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी सीओ ने दी है।

गैर इरादतन हत्या के दो अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त भगवती प्रसाद उर्फ पिंटू व लेखराज उर्फ देबू नवासी गांव जावरा थाना मांट को भन्नी चौराहा नगला बरी मंदिर के सामने से गिरफ्तार किया है।

कक्षा 9 के छात्रों की पढ़ाई पर संकट

किताबें नदारद, सिलेबस को लेकर उलझन से बढ़ी परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में कक्षा 8 उत्तीर्ण कर कक्षा 9 में पहुंचे छात्रों की पढ़ाई इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रही है। नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए करीब एक माह बीत चुका है, लेकिन अब तक एनसीईआरटी का नया सिलेबस और किताबें बाजार में उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। स्थिति यह है कि अधिकांश बुक स्टोरों पर केवल अंग्रेजी की एक–दो किताबें ही मिल रही हैं, जबकि अन्य विषयों की पुस्तकें पूरी तरह से नदारद हैं। किताबें न मिलने के कारण बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है। अभिभावकों का कहना है कि जब वे बच्चों को पढ़ाई के लिए कहते हैं तो बच्चे साफ तौर पर जवाब दे देते हैं कि किताबें ही नहीं हैं तो हम पढ़ें कैसे, ऐसे में बच्चों का समय मस्ती में निकल रहा है और पढ़ाई से उनका जुड़ाव कमजोर पड़ता जा रहा है।

अभिभावक सुनील सिंह ने कहा कि करीब एक महीना हो गया, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि सिलेबस कब आएगा। हम लोग बच्चों से कहते हैं कि तुम अब कक्षा 9 में आ गए हो, लेकिन बाजार में सिर्फ एक अंग्रेजी की किताब उपलब्ध है। ऐसे में पढ़ाई कैसे शुरू हो?"

वहीं रामकिशोर अग्रवाल ने बताया कि मेरा बच्चा कक्षा 9 में पहुंच गया है, लेकिन अभी तक कोई भी किताब नहीं मिली है। जब हम उसे पढ़ने के लिए कहते हैं तो वह कहता है कि किताबें आएंगी तो पढ़ाई करूंगा। इस वजह से पूरा दिन यूं ही निकल जाता है। पूनम देवी का कहना है कि जब किताबें ही नहीं मिल रही हैं, तो बच्चे किससे पढ़ाई करें? पढ़ाई का कीमती समय यूं ही बर्बाद हो रहा है। इससे बच्चों का भविष्य प्रभावित हो सकता है। समुन वर्मा ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि इतना समय बीत गया है और अब तक सिर्फ एक अंग्रेजी की किताब और एक हिंदी की पीडीएफ आई है। इतने से बच्चे क्या कर लेंगे?

एनसीईआरटी सिलेबस में देरी से एक माह से पढ़ाई ठप

बाकी विषयों की पढ़ाई पूरी तरह ठप है।

सुनीता सिंह ने कहा कि बच्चा रोज यही कहता है कि किताब नहीं आई है, तो कैसे पढ़ें। समय लगातार निकलता जा रहा है और हमें समझ नहीं आ रहा कि क्या करें। बच्चे ने कहा कि आप कहेंगे नंबर कम आ रहे है, हमारी गलती क्या है। वहीं पूजा देवी ने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर किताबों में बदलाव करना था तो पहले से तैयारी करनी चाहिए थी। इस तरह सत्र शुरू होने के बाद बदलाव करना बच्चों के साथ अन्याय है। जरूरत पड़ती तो अगले साल से नई किताबें लागू की जातीं।

बृज सेवा फाउंडेशन के सदस्यों ने लगाई दूध की धार परिक्रमा

दूध की धार परिक्रमा कार्यक्रम की शुरुआत करतीं बृज सेवा फाउंडेशन की सदस्य।

यूनिक समय, मथुरा। बृज सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित दूध की धार परिक्रमा कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हो गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ लक्ष्मी नारायण मंदिर छोटी परिक्रमा मार्ग से दूध की धार परिक्रमा के साथ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। परिक्रमा के दौरान भक्तगण भजन–कीर्तन, हरिनाम संकीर्तन एवं जयघोष करते हुए पूरे मार्ग में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करते रहे। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के स्वागत एवं सेवा की भी विशेष व्यवस्था की गई। द्वितीय दिवस प्रातः श्री गिरिराज जी का विधि–विधान से अभिषेक सम्पन्न कराया गया। अभिषेक के पश्चात बाल भोग अर्पित कर सभी श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान स्वच्छता, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कृष्ण कुमार खंडेलवाल एवं कमल अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आशीष गर्ग, राहुल बंसल, नीरज तायल, चंद्र शेखर, नितिन बगिया, विशाल, इति, पवन, अभय गुप्ता, रश्मि, अमित, शिखा, भारत भूषण, चारु, हेमंत, अंकुर, ऋतु, अनूप, अनीषा, गौरव, कृष्ण कुमार, मुक्ता, विपुल, गुंजन, दुर्गेश, अभिषेक कसेरे, रोहित, श्वेता, तरुण, चैतन्य, रुद्राक्षी, पंकज, नेहा एवं योगिता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ब्रजवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ लक्ष्मी नारायण मंदिर छोटी परिक्रमा मार्ग से किया गया

महिला आरक्षण बिल से बदलेगा देश का भविष्य: योगेन्द्र चतुर्वेदी

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला महामंत्री योगेन्द्र चतुर्वेदी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आज का दिन भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण और अविस्मरणीय क्षण के रूप में दर्ज होगा। संसद में महिला आरक्षण विधेयक को प्रस्तुत किया जाना महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी द्वारा उठाया गया एक ऐतिहासिक और सराहनीय कदम है, जिससे देश की आधी आबादी को राजनीति में सक्रिय और प्रभावी भागीदारी का अवसर प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं को केवल सामाजिक या आर्थिक क्षेत्रों तक सीमित न रखकर उन्हें निर्णय निर्माण की प्रक्रिया में भी सशक्त बनाएगी। इसके माध्यम से लोकतंत्र और अधिक समावेशी तथा प्रतिनिधित्वपूर्ण बनेगा। साथ ही योगेन्द्र चतुर्वेदी ने यह भी कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस सहित कुछ प्रमुख विपक्षी दलों द्वारा इस प्रस्ताव का विरोध किया जाना उनकी महिला विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उनका मानना है कि आने वाले समय में देश की मातृशक्ति ऐसे विरोध करने वाले दलों को अपने निर्णय से करारा जवाब देगी और सही दिशा में परिवर्तन सुनिश्चित करेगी।

ग्राम न्यायालय मांट के जज का स्थानांतरण होने पर दी विदाई

ग्राम न्यायालय मांट में तैनात जज उत्कर्ष सिंह का पीलीभीत स्थानांतरण होने पर अधिवक्ता विदाई समारोह करते हुए।

यूनिक समय, मांट (मथुरा)। ग्राम न्यायालय मांट में तैनात जज उत्कर्ष सिंह के पीलीभीत स्थानांतरण पर उनके सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। जज उत्कर्ष सिंह पिछले तीन वर्षों से मांट ग्राम न्यायालय में अपनी सेवाएं दे रहे थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने न्यायिक कार्यों को जिम्मेदारी और निष्पक्षता के साथ संपन्न किया, जिसके चलते अधिवक्ताओं के बीच उनका विशेष स्थान रहा। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए उत्कर्ष सिंह ने कहा कि मांट में बिताया गया समय उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है। यहां के अधिवक्ताओं से उन्हें बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला, जिसका अनुभव वह अपने आगामी कार्यकाल में भी उपयोग करेंगे। इस मौके पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार, आलोक, गिर्राज सिंह राघव, लव राघव, रोहित राघव, अवधेश कटारा, पंकज कुमार समेत दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नए कार्यस्थल पर सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षकों को दी गई भावभीनी विदाई

सेवानिवृत्त शिक्षिकाओं को स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र प्रदान कर करते आयोजनकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षक सूर्यवीर सिंह एवं अन्य आयोजनकर्ताओं द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षकों को भावभीनी विदाई दी गई तथा शिक्षा अधिकारियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर जूनियर हाईस्कूल की प्रधानाध्यापिका पूनम वैद्य, सीतारानी चौरसिया, रामेश्वरी शर्मा, शिक्षिका मीरा शर्मा एवं अंजुलि सिंह को सेवानिवृत्ति पर स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान बीएसए रतनकीर्ति एवं बीईओ मथुरा विनय प्रताप सिंह सहित अन्य शिक्षा अधिकारियों द्वारा प्रदान किया गया।

समारोह में शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र, जिलाध्यक्ष राजेश, एआरपी डोरी लाल, गिरीश कौशिक, शांतनू चौधरी, गायत्री देवी, मीनाक्षी शर्मा, कल्पना, नीतू भार्गव, जितेन्द्र मित्तल, प्रदीप कुमार, शालिनी हरियाणा, रीना अरोड़ा, सरिता चौधरी सहित कई शिक्षक–शिक्षिकाएं एवं समाजसेवी नानक चंद वर्मा, राजीव रावत उपस्थित रहे।

आयोजनकर्ताओं ने सभी आगंतुकों, शिक्षा अधिकारियों, शिक्षक नेताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग की सराहना की और इसे सफल आयोजन बताया।

डिजीदुकान प्लेटफॉर्म से छोटे व्यापारियों को मिलेगी नई उड़ान

ओएनडीसी ने 'डिजीदुकान' प्लेटफॉर्म लांच किया

यूनिक समय, मथुरा। छोटे और मध्यम व्यापारियों के लिए अब देशभर में कारोबार करना पहले से कहीं अधिक आसान होने जा रहा है। केंद्र सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की पहल पर ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) ने 'डिजीदुकान' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। यह पहल पारंपरिक व्यापार को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

डिजीदुकान के माध्यम से व्यापारी अब सीधे देशभर के थोक विक्रेताओं और वितरकों से जुड़ सकेंगे। इससे बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी और लागत में भी कमी आएगी। खासकर छोटे शहरों के दुकानदारों के लिए यह प्लेटफॉर्म गेम चेंजर साबित हो सकता है, जो अब तक सीमित संसाधनों के कारण बड़े बाजारों तक नहीं पहुंच पाते थे। इस बीच नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता चेयरमैन सुनील सिंघी ने की। बैठक में 27 राज्यों के प्रतिनिधियों और विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों ने भाग लिया। चंडीगढ़ व्यापार मंडल के चेयरमैन चरंजीव सिंह ने व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए जीएसटी दरों में राहत और कंपोजिशन स्कीम से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देने की मांग की।

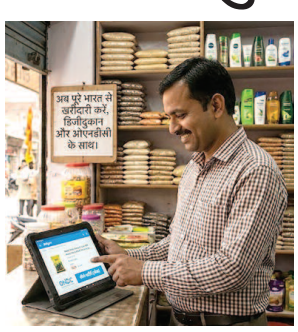

व्यापार को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

डिजीदुकान प्लेटफॉर्म का एक बड़ा फायदा यह भी है कि यदि किसी एमएसएमई कारोबारी की पेमेंट अटक जाती है, तो वह समाधान पोर्टल के जरिए शिकायत दर्ज कर सकता है। सरकार ने ऐसे मामलों में ब्याज सहित भुगतान सुनिश्चित करने का प्रावधान किया है, जिससे व्यापारियों को वित्तीय सुरक्षा मिलेगी। पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया भी सरल रखी गई है। व्यापारी अपनी दुकान की जानकारी, उत्पाद विवरण, पिनकोड और जीएसटी नंबर दर्ज कर आसानी से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इसके बाद वे खरीद–बिक्री की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। सरकार की इस पहल से उम्मीद की जा रही है कि छोटे व्यापारियों को न केवल राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी, बल्कि उनका कारोबार भी तेजी से बढ़ेगा।

जीएलए बीटेक ईसी-वीएलएसआई के छात्र बड़े पैकेज पर चयनित

अभिषेक शर्मा | हिमांशु उपाध्याय | आलोक गुप्ता

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्लेसमेंट के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता और इंडस्ट्री-ओरिएंटेड शिक्षा की छाप छोड़ी है। बीटेक (ईसी-वीएलएसआई) बैच 2026 के तीन छात्रों ने देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित होकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है।

प्लेसमेंट प्रक्रिया के दौरान तीनों छात्रों को कई कठिन चरणों लिखित परीक्षा, तकनीकी इंटरव्यू और मौखिक साक्षात्कार से गुजरना पड़ा। इन सभी चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छात्रों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और आकर्षक पैकेज प्राप्त किए। इस प्लेसमेंट ड्राइव में हिमांशु उपाध्याय का चयन सिलिकॉन लैब्स में हुआ, जहां उन्हें 19.26 लाख रुपये वार्षिक पैकेज मिला। वहीं आलोक गुप्ता ने एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स में 12.5 लाख रुपये वार्षिक पैकेज के साथ स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा अभिषेक शर्मा का चयन इन्क्रेफ में हुआ, जिन्हें 9.56 लाख रुपये प्रति वर्ष का पैकेज ऑफर किया गया।

इन उपलब्धियों के पीछे जीएलए विश्वविद्यालय की उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा और अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्वविद्यालय में स्थापित आधुनिक एवं सुसज्जित प्रयोगशालाएं, विशेषकर वीएलएसआई, एम्बेडेड सिस्टम और सेमीकंडक्टर तकनीक से संबंधित लैब्स, छात्रों को प्रायोगिक और उद्योग आधारित ज्ञान प्रदान करती हैं। यहां छात्रों को नवीनतम उपकरणों और सॉफ्टवेयर पर कार्य करने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता विकसित होती है।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय में प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण प्रणाली को विशेष महत्व दिया जाता है। छात्र विभिन्न लाइव प्रोजेक्ट्स, रिसर्च गतिविधियों और इनोवेशन आधारित कार्यों में भाग लेते हैं, जिससे उन्हें वास्तविक समस्याओं के समाधान का अनुभव प्राप्त होता है। यह अनुभव उन्हें प्लेसमेंट के दौरान अन्य छात्रों से अलग पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होता है। विश्वविद्यालय का इंडस्ट्री कनेक्ट और ट्रेनिंग मॉड्यूल भी छात्रों के कॅरियर निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। नियमित वर्कशॉप, सेमिनार, मॉक इंटरव्यू, कोडिंग प्रैक्टिस सेशन और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मार्गदर्शन से छात्रों को कॉर्पोरेट वातावरण के लिए तैयार किया जाता है। यही कारण है कि यहां के छात्र बड़ी कंपनियों की चयन प्रक्रिया में सफल हो रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में जीएलए के छात्रों ने न केवल तकनीकी क्षेत्र में बल्कि प्रशासनिक सेवाओं, स्टार्टअप्स और शोध के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। कई छात्र राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं, वहीं कुछ छात्र अपने इनोवेटिव स्टार्टअप्स के माध्यम से रोजगार सृजन में भी योगदान दे रहे हैं। यह समग्र विकास मॉडल विश्वविद्यालय को अन्य संस्थानों से अलग पहचान दिलाता है।

चयनित हुए तीनों छात्रों ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार नई तकनीकों और इंडस्ट्री की मांग के अनुसार अपने पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण प्रणाली को अपडेट कर रहा है, जिससे छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सके। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार देवलिया ने कहा कि हमारा उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उन्हें व्यावहारिक और उद्योग के अनुरूप दक्ष बनाना है। जीएलए में हम आधुनिक तकनीकों, रिसर्च और इनोवेशन पर विशेष जोर देते हैं। छात्रों का इस प्रकार उच्च पैकेज के साथ चयनित होना हमारे प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। आने वाले समय में हम और अधिक उन्नत सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराएंगे, ताकि हमारे छात्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

वापस लौटे वाहन, छोटे वाहन चालक हुए परेशान

गुरुवार को भी बंद रहा दीनदयाल स्टेशन का फाटक

ओवर ब्रिज न होने से लोगों को हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन

दीनदयाल रेलवे स्टेशन का फाटक बंद होने से अंडरपास की ओर लौट रहा वाहन।

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। कस्बा स्थित दीनदयाल रेलवे स्टेशन का फाटक गुरुवार को बंद रहा। जानकारी के अभाव में सुबह फाटक तक पहुंचे बड़े वाहनों को उल्टा लौटना पड़ा। तकनीकी काम के चलते चालकों को परेशान उठानी पड़ी।

दीनदयाल धाम स्टेशन के फाटक को बुधवार और गुरुवार के लिए बंद किया गया है। तकनीकी काम के लिए बंद किए गए फाटक की जानकारी नहीं होने से वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है।

कस्बा से लगे निकटवर्ती गांवों को फाटक पार कर जाने वाले छोटे वाहन चालकों को घर तक पहुंचाने के लिए करीब चार किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। बिना सूचना प्रसारित किए फाटक का काम शुरू होने से लोग परेशान हो रहे हैं। गांव दौलतपुर के सतीश ने बताया कि आधा किलोमीटर दूर कस्बा में किसी काम से जाने के लिए मोटरसाइकिल को आठ किलोमीटर इधर-उधर से चलाना पड़ रहा है। कस्बा में खरीदारी करने को आने वाले लोग अपनी मोटरसाइकिलों को बंद रेलवे फाटक के आसपास खड़ी करके आ रहे हैं, सामान को उठाकर लौट रहे। रेल विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि आज रात को यह फाटक काम पूरा होने के बाद खोल दिया जाएगा। वहीं, स्थानीय नागरिक और आसपास के ग्रामीणों का कहना है कि आगरा से मथुरा तक जितने भी रेलवे फाटक हैं सब पर अंडर पास बन गए हैं, लेकिन कस्बा के फाटक पर अंडरपास जैसा कोई काम नहीं हुआ है। फाटक भी सुबह और शाम कभी - कभी 45 मिनट से एक घंटे तक बंद रहता है, जिससे वाहनों की भारी भीड़ लग जाती है, यही वजह जाम का कारण बनती है।

आईओपी कॉलेज में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम

यूनिक समय, वृंदावन। आईओपी महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण की दिशा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम -2023 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को कार्यक्रम अधिकारी हेमेन्द्र कुमार ने महिलाओं के अधिकारों के विषय में अवगत कराया। राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के अंतर्गत दीवार पर हस्ताक्षर अभियान संपन्न कराकर एवं नारी शक्ति वंदन मानव श्रृंखला बनाकर छात्राओं को सशक्त होने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. पीके सारस्वत, प्रो. सरला शर्मा, प्रो. अनंत कुमार यादव, प्रो. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी, प्रो. संजय कुमार सिंह, डॉ. केएल अग्रवाल, डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. अनुज कुमार, मृदुला पांडेय, पवित्र गोस्वामी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों के चेहरे खिले

वेद प्रकाश पाठक पब्लिक स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता के विजयी विद्यार्थियों के साथ शशि शर्मा।

यूनिक समय, नौहझील। वेद प्रकाश पाठक पब्लिक स्कूल में शशि शर्मा के निर्देशन में चित्रकला प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा द्वारा भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित अतिथियों ने भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष श्रद्धा व्यक्त की।

प्रतियोगिता में कक्षा 10 से 11 तक के कुल 58 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान परशुराम के चित्र पर रंग भरकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में मानवी गुप्ता ने प्रथम स्थान, राधिका ने द्वितीय स्थान तथा अंकित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थियों को श्रीमती शशि शर्मा द्वारा पटका एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया, जबकि अन्य सभी प्रतिभागियों को सम्मान पत्र, बिस्किट एवं टोपी प्रदान की गई।

यह कार्यक्रम सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नेहा शर्मा, मधुबाला, दीपिका शर्मा, पुष्पा शर्मा, डॉ. जमुना शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल के मेधावियों ने 10वीं में फहराया परचम

प्राचार्या प्रिया मदान के साथ मेधावी छात्र-छात्राएं।

50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने हासिल किए 90 फीसद से अधिक अंक

शौर्य गर्ग 97.6 प्रतिशत अंकों के साथ बने विद्यालय का गौरव

यूनिक समय, मथुरा। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा घोषित 10वीं का परीक्षा परिणाम राजीव इंटरनेशनल स्कूल के मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए खुशियों का पैगाम लेकर आया है। शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के बीच विद्यालय के 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने 90 फीसद से अधिक अंक हासिल किए। मेधावी शौर्य गर्ग 97.6 प्रतिशत तो स्तुति अग्रवाल 96.6 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में पहले और दूसरे स्थान पर रहे।

विद्यालय के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को शानदार सफलता के लिए बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास की प्रशंसा करते हुए कहा कि पहले पड़ाव की यह शानदार सफलता उनके लिए प्रेरणा और हौसले का काम करेगी। उन्होंने इस शानदार सफलता के लिए शिक्षकों और अभिभावकों को भी बधाई दी। श्री अग्रवाल ने कहा कि शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग से ही राजीव इंटरनेशनल स्कूल अपने उद्देश्यों की तरफ निरंतर आगे बढ़ रहा है।

प्राचार्या प्रिया मदान ने बताया कि अपनी प्रतिवर्ष की सफलता को दोहराते हुए राजीव इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने इस बार भी शानदार सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्राचार्या प्रिया मदान ने बताया कि सफलता के क्रम को आगे बढ़ाते हुए अंश भल्ला 96.2, एंजल खंडेलवाल 95.6, म्यांशी बंसल एवं आशी अग्रवाल 95.4, ऊजस सिंह 94.8, सृष्टि, सारांश राजपूत एवं अमृता अग्रवाल 94.6, वेदांत चौधरी 94.4, कर्तव्य कौशिक, हरमनदीप सिंह एवं आन्या गोयल 94.2, आरव शर्मा 94, रीवा कपूर, पार्थ अग्रवाल एवं गौरांग अग्रवाल 93.8, शिवांगी सिंह सेंगर एवं नंदिनी सिंह 93.4, प्रियांशु अग्रवाल एवं निखिल गौर 93.2, शौर्य प्रताप सिंह, लेशिया बघेल, इशिता अग्रवाल तथा चिराग चौधरी ने 92.8 फीसद अंक हासिल कर स्कूल को गौरवान्वित किया।

उन्होंने बताया कि वीर शर्मा, तृषिका अग्रवाल, हिमांग चौधरी एवं भाव्या जादौन को 92.6 प्रतिशत तो शानवी अग्रवाल, निवान शर्मा, हर्ष सिकरवार एवं भव्य खंडेलवाल को 92.4 प्रतिशत अंक मिले। श्रेया गर्ग एवं अभ्या मिश्रा को 92.2 प्रतिशत, प्रणित जैन 92, अरण्यक पाल सिंह 91.8, राधिका वर्मा 91.6, उर्शिता सिंह 91.2, विदुषी राणा एवं सार्थक जैन 91 फीसद अंक हासिल करने में सफल रहे। अर्णव मिश्रा एवं अनुग्रह चतुर्वेदी को समान रूप से 90.8 प्रतिशत अंक मिले। विशाल प्रकाश, उमंग अग्रवाल, रुद्राक्ष सिंह एवं आरुष वर्मा ने 90.4 तो जानवी सिंह ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राजीव इंटरनेशनल स्कूल और जनपद का गौरव बढ़ाया है। प्राचार्या ने सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। 10वीं में शानदार सफलता हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं ने अपनी इस कामयाबी का श्रेय माता-पिता तथा गुरुजनों के कुशल मार्गदर्शन को दिया।

राया में सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में छात्र-छात्राओं ने मारी बाजी

यूनिक समय, राया (मथुरा)। सीबीएसई बोर्ड के जारी परीक्षाफल में सोफिया पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने श्रेष्ठ अंक प्राप्त किए। हाईस्कूल के नकल वर्मा 97 प्रतिशत, रितु 95.6 प्रतिशत देव सोलंकी 93.8 प्रतिशत यशवीर सिंह 88.8 प्रतिशत गरिमा चौधरी 88 प्रतिशत अंश चौधरी 88 प्रतिशत रोहित कुमार 87.2 कनिष्का 86 प्रतिशत मीनू गोधर 86.2 प्रतिशत आरती 86.6 अलिसा 84.8 भावना 84.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय प्रबंधक अंजू सिंह, चेयरमैन हिमांशु सिंह, प्रधानाचार्य सविता चौधरी आदि ने बधाई दी।

राया नगर पंचायत बोर्ड बैठक में विकास कार्यों को अहम प्रस्ताव

यूनिक समय, राया (मथुरा)। नगर पंचायत की बोर्ड बैठक कार्यालय परिसर में हुई। इसमें विकास कार्यों को लेकर लाखों रुपये की लागत के अहम प्रस्ताव पारित हुए। बैठक में वार्ड सभासदों ने अपने क्षेत्रों में बिजली, पानी तथा सड़क निर्माण इंटरलॉकिंग आदि का प्रस्ताव रखा। पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल एवं अधिशासी अधिकारी शिवकुमार ने प्रस्ताव पारित कर विकास कार्यों को लेकर विचार विमर्श किया। मनोनीत सभासद साधना अग्रवाल ने बारिश से पहले नालों की सफाई कार्य करवाने एवं मोहित अग्रवाल ने सादाबाद रोड से अवैध प्राइवेट बस स्टैंड को हटवाने का प्रस्ताव रखा। इसके अलावा महापुरुषों की मूर्तियों का रखरखाव, पार्क का निर्माण, बाजार में महिला टॉयलेट का निर्माण, साप्ताहिक बंदी, कस्बा में अतिक्रमण की समस्या को प्रमुखता से रखा गया। बैठक में लिपिक अमित शर्मा के साथ सभी सभासद उपस्थित थे।

लंच के बाद नींद क्यों आती है? कारण और सावधानियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। कई लोगों को दोपहर में खाना खाने के बाद अचानक सुस्ती, आंखों में भारीपन और नींद आने लगती है। मेडिकल भाषा में इस स्थिति को पोस्टप्रांडियल सोम्नोलेंस कहा जाता है। यह आम समस्या है और ज्यादातर मामलों में यह कोई गंभीर बीमारी नहीं होती, बल्कि शरीर की एक प्राकृतिक प्रतिक्रिया होती है। हालांकि, अगर यह समस्या रोजाना और ज्यादा होने लगे, तो इसके कारणों को समझना जरूरी है।

सबसे आम कारण है भारी और हाई-कार्ब भोजन। जब आप लंच में ज्यादा चावल, रोटी, तला-भुना या मीठा खाते हैं, तो शरीर को इसे पचाने के लिए अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है। इस दौरान रक्त का प्रवाह पाचन तंत्र की ओर बढ़ जाता है, जिससे दिमाग की सक्रियता थोड़ी कम हो सकती है और नींद आने लगती है। इसके अलावा, रात में पूरी नींद न लेना भी एक बड़ा कारण है। अगर आप 7-8 घंटे की नींद नहीं लेते, तो शरीर दिन में इसकी भरपाई करने की कोशिश करता है, जिससे लंच के बाद नींद ज्यादा महसूस होती है। डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) भी थकान और सुस्ती का कारण बन सकता है। पर्याप्त पानी न पीने से शरीर की ऊर्जा कम हो जाती है और आपको नींद आने लगती है। तनाव और खराब लाइफस्टाइल भी इसमें भूमिका निभाते हैं। ज्यादा तनाव, लंबे समय तक बैठकर काम करना और शारीरिक गतिविधि की कमी से शरीर सुस्त हो जाता है। कुछ मामलों में यह समस्या मेडिकल कारणों से भी जुड़ी हो सकती है, जैसे थायरॉयड की गड़बड़ी, एनीमिया, स्लीप एपनिया या हार्मोनल असंतुलन। यदि लंच के बाद रोज अत्यधिक थकान, कमजोरी या काम करने में कठिनाई महसूस हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। क्या करें? हल्का और संतुलित भोजन लें, खाने के बाद थोड़ी देर टहलें, पर्याप्त पानी पिएं, रात की नींद पूरी करें, नियमित व्यायाम करें, कभी-कभार लंच के बाद नींद आना सामान्य है, लेकिन अगर यह रोज की समस्या बन जाए, तो इसे नजरअंदाज न करें।

बिना बेकिंग सोडा के मुलायम इडली बनाने का आसान तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। इडली एक हेल्दी और हल्का नाश्ता है, जिसे आप बिना बेकिंग सोडा या ईनो के भी बेहद मुलायम और स्पंजी बना सकते हैं। इसके लिए सही सामग्री और फर्मेंटेशन सबसे जरूरी होता है।

जरूरी सामग्री- 3 कप इडली चावल, 1 कप उड़द दाल, 1 चम्मच मेथी दाना, नमक।

बनाने का तरीका- सबसे पहले चावल और दाल को अलग-अलग 4-6 घंटे तक भिगो दें। फिर दाल को अच्छी तरह फेंटकर स्मूद पेस्ट बनाएं और चावल को हल्का दरदरा पीस लें। दोनों को मिलाकर बैटर तैयार करें-ध्यान रखें कि इसकी कंसिस्टेंसी न ज्यादा गाढ़ी हो, न पतली। अब बैटर को ढककर 8-10 घंटे के लिए गर्म जगह पर फर्मेंट होने दें। सही फर्मेंटेशन से इसमें छोटे-छोटे बुलबुले बनते हैं, जो इडली को नैचुरली सॉफ्ट बनाते हैं। स्टीमर को पहले से गर्म करें, मोल्ड में थोड़ा तेल लगाएं और बैटर डालकर 10-12 मिनट तक स्टीम करें।

इलेक्ट्रिक केतली में दाल-चावल बनाना कितना सही?

यूनिक समय, नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक केतली का इस्तेमाल आमतौर पर पानी उबालने के लिए किया जाता है, लेकिन आजकल कई लोग इसमें दाल-चावल जैसी चीजें बनाने की कोशिश करते हैं। तकनीकी रूप से यह संभव है, लेकिन यह तरीका सुरक्षित या लंबे समय के लिए सही नहीं माना जाता,

केतली में खाना बनाने से कई समस्याएं हो सकती हैं। इसमें हीटिंग एलिमेंट पर दाल या चावल चिपक सकते हैं, जिससे केतली जल्दी खराब हो सकती है। साथ ही ओवरफ्लो, शॉर्ट सर्किट और ऑटो कट जैसी दिक्कतें भी सामने आ सकती हैं। स्वाद और टेक्सचर भी सही नहीं बन पाते, जिससे खाना खराब हो सकता है। अगर बार-बार इसका इस्तेमाल किया जाए तो केतली की लाइफ कम हो जाती है। कई लोग कम मात्रा में खाना बनाते हैं या बार-बार पानी डालकर पकाते हैं, लेकिन यह तरीका भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, केतली का इस्तेमाल सिर्फ इमरजेंसी स्थिति में ही करना चाहिए।

रोजमर्रा के खाने के लिए इंडक्शन कुकर या इलेक्ट्रिक राइस कुकर बेहतर विकल्प हैं। इसलिए अगर गैस उपलब्ध नहीं है, तो केतली एक अस्थायी उपाय हो सकती है, लेकिन नियमित खाना पकाने के लिए यह सही विकल्प नहीं है।

घर पर बनाएं शुद्ध अमचूर पाउडर, जानें आसान विधि

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमचूर पाउडर भारतीय रसोई का एक जरूरी मसाला है, जो खाने में खट्टापन और स्वाद बढ़ाता है। बाजार में मिलने वाले अमचूर में कई बार मिलावट हो सकती है, इसलिए इसे घर पर बनाना ज्यादा सुरक्षित और हेल्दी विकल्प है।

जरूरी सामग्री- कच्चे आम (ताजे और बिना दाग वाले)।

बनाने की विधि- सबसे पहले कच्चे आम को अच्छी तरह धोकर छील लें। फिर इन्हें पतले-पतले स्लाइस में काट लें, ताकि ये जल्दी और अच्छी तरह सूख सकें। अब इन टुकड़ों को साफ कपड़े या ट्रे पर फैलाकर तेज धूप में 3-4 दिन तक सुखाएं। ध्यान रखें कि आम के टुकड़ों में बिल्कुल भी नमी न रहे, वरना पाउडर जल्दी खराब हो सकता है। जब आम पूरी तरह सूख जाएं, तो उन्हें मिक्सर में डालकर बारीक पीस लें। इसके बाद पाउडर को छलनी से छान लें, ताकि इसका टेक्सचर स्मूद और फाइन बने।

स्टोर करने का तरीका- तैयार अमचूर पाउडर को एयरटाइट कंटेनर में भरकर सूखी जगह पर रखें। सही तरीके से स्टोर करने पर यह सालभर खराब नहीं होता। इस आसान विधि से बना अमचूर न सिर्फ शुद्ध होता है, बल्कि आपके खाने का स्वाद भी

निहारिका तिवारी का स्टाइलिश अंदाज बना फैंस की पसंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। निहारिका तिवारी, जो रियलिटी शो से लोकप्रिय हुईं, इन दिनों अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक्स को लेकर लगातार चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और रील्स तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनके हर नए अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं।

निहारिका का फैशन सेंस उन्हें बाकी कंटेस्टेंट्स से अलग बनाता है। वह हर तरह के आउटफिट को बेहद आत्मविश्वास के साथ कैरी करती हैं। उनके देसी लुक में जहां सलवार सूट और ट्रेडिशनल आउटफिट्स में एक सादगी और ग्रेस नजर आता है, वहीं वेस्टर्न आउटफिट्स जैसे शॉर्ट ड्रेस और बॉडीकॉन में उनका ग्लैमरस अवतार फैंस को काफी आकर्षित करता है। ट्रेडिशनल लुक में निहारिका हल्के मेकअप और मिनिमल एक्सेसरीज के साथ नजर आती हैं, जिससे उनकी प्राकृतिक खूबसूरती और भी निखर जाती है। वहीं वेस्टर्न स्टाइल में उनका कॉन्फिडेंस और पर्सनालिटी उन्हें और भी स्टाइलिश बनाता है। सोशल मीडिया पर निहारिका काफी एक्टिव रहती हैं और अपने लेटेस्ट फोटोशूट और रील्स लगातार शेयर करती रहती हैं। उनकी पोस्ट्स पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आते हैं, जो उनकी बढ़ती फैन फॉलोइंग को दर्शाते हैं। निहारिका को दर्शक खासतौर पर उनके ट्रेंडी और यूथफुल फैशन के लिए पसंद करते हैं। उनका स्टाइल यह साबित करता है कि फैशन सिर्फ कपड़ों से नहीं बल्कि आत्मविश्वास और एटीट्यूड से पूरा होता है। आने वाले समय में उनके और भी नए स्टाइलिश अवतार देखने को मिल सकते हैं।

डिलीवरी से पहले तैयार रखें हॉस्पिटल बैग, जानें जरूरी सामान

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आपकी डिलीवरी डेट नजदीक है, तो पहले से हॉस्पिटल बैग तैयार रखना बेहद जरूरी है। इससे आप आखिरी समय की भागदौड़ और तनाव से बच सकती हैं और खुद को ज्यादा सहज महसूस करेंगी।

मां के लिए जरूरी सामान- सबसे पहले जरूरी दस्तावेज रखें, जैसे आईडी प्रूफ, हॉस्पिटल कार्ड, अल्ट्रासाउंड और मेडिकल रिपोर्ट्स। आरामदायक कपड़े जैसे नाइटगाउन, सॉफ्ट इनरवियर, स्लिपर्स और एक शॉल जरूर पैक करें। स्वच्छता के लिए सैनिटरी नैपकिन, हैंड सैनिटाइजर, टॉवल और वेट वाइप्स रखें। साथ ही मोबाइल, चार्जर, पानी की बोतल और हल्के स्नैक्स भी काम आते हैं।

बेबी के लिए क्या रखें- नवजात के लिए 4-5 जोड़ी कपड़े, मोजे, टोपी और मुलायम कंबल रखें। स्वैडल कपड़ा बेबी को आराम और सुरक्षा देता है।

गर्मियों में ज्यादा लस्सी पीना पड़ सकता है भारी, जानें नुकसान

यूनिक समय, नई दिल्ली। लस्सी गर्मियों में शरीर को ठंडक देने के लिए सबसे पसंदीदा पेय में से एक है। लेकिन इसका ज्यादा या गलत तरीके से सेवन आपकी सेहत पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

पाचन पर असर- अधिक मात्रा में लस्सी पीने से पेट भारी लग सकता है। इसमें मौजूद डेयरी तत्व गैस, अपच और एसिडिटी की समस्या बढ़ा सकते हैं। जिन लोगों का पाचन तंत्र कमजोर होता है, उन्हें खास सावधानी बरतनी चाहिए।

वजन बढ़ने का खतरा- मीठी या फ्लेवर वाली लस्सी में कैलोरी ज्यादा होती है। इसे रोजाना अधिक मात्रा में पीने से वजन तेजी से बढ़ सकता है, जो फिटनेस को प्रभावित करता है।

ज्यादा ठंडक का असर- बहुत ठंडी लस्सी पीने से शरीर का तापमान असंतुलित हो सकता है। इससे पेट में ऐंठन, सर्दी या गले में खराश जैसी समस्याएं हो सकती हैं और पाचन प्रक्रिया धीमी पड़ सकती है।

किन लोगों को सावधान रहना चाहिए- पेट का अल्सर, अपच या अन्य पाचन समस्याओं से जूझ रहे लोगों को लस्सी सीमित मात्रा में ही पीनी चाहिए।

सुरक्षित सेवन के टिप्स- दिन में एक गिलास लस्सी पर्याप्त है, बहुत ठंडी लस्सी से बचें, मीठी लस्सी कम मात्रा में लें। सही मात्रा और समय पर लस्सी पीने से यह फायदेमंद है, लेकिन अधिक सेवन से यह नुकसान भी

अधिक मात्रा में लस्सी पीने से पेट भारी लग सकता है गैस, अपच और एसिडिटी की समस्या बढ़ सकती है

तांबे के बर्तन में पानी पीना हर किसी के लिए सही नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। तांबे के बर्तन में पानी पीना अक्सर आयुर्वेदिक रूप से फायदेमंद माना जाता है, लेकिन यह सभी लोगों के लिए सुरक्षित नहीं होता। कुछ स्थितियों में यह फायदे की जगह नुकसान भी पहुंचा सकता है, इसलिए सावधानी जरूरी है। किन लोगों को नहीं पीना चाहिए तांबे का पानी? **पेट का अल्सर वाले लोग-** तांबे का पानी पेट की परत पर असर डाल सकता है, जिससे जलन और दर्द बढ़ सकता है। **एसिडिटी या अपच से परेशान लोग-** इससे पेट में एसिड लेवल बढ़ सकता है, जिससे खट्टी डकार और जलन की समस्या बढ़ती है। **बच्चे और शिशु-** उनका पाचन तंत्र कमजोर होता है, इसलिए तांबे का पानी उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। **गर्भवती महिलाएं-** अधिक मात्रा में सेवन से पाचन संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं, इसलिए सीमित मात्रा या डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

गर्मियों में इन जगहों पर जाने से बचें, वरना ट्रिप हो सकती है खराब

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों की छुट्टियां प्लान करते समय सही डेस्टिनेशन चुनना बेहद जरूरी है। अप्रैल और मई के महीने में कई लोकप्रिय जगहें ऐसी होती हैं, जहां घूमना मजेदार होने के बजाय थकान भरा अनुभव बन सकता है। तेज गर्मी, भीड़ और महंगे खर्च आपकी छुट्टियों का मजा बिगाड़ सकते हैं।

जयपुर- गुलाबी शहर जयपुर अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर है, लेकिन गर्मियों में यहां का तापमान 40त्ड से ऊपर पहुंच जाता है। तेज धूप में किले और महल घूमना काफी मुश्किल हो जाता है। दिल्ली-राजधानी दिल्ली में गर्मियों के दौरान लू और प्रदूषण का असर एक साथ देखने को मिलता है। बाहर निकलना ही मुश्किल हो जाता है, जिससे आपकी यात्रा असहज बन सकती है।

आगरा- ताजमहल देखने के लिए मशहूर आगरा में गर्मियों में भारी भीड़ और चिलचिलाती धूप होती है। लंबे समय तक लाइन में लगना और धूप सहना अनुभव को खराब कर सकता है।

गोवा- गोवा आमतौर पर बेस्ट वेकेशन स्पॉट माना जाता है, लेकिन अप्रैल-मई में यहां उमस बहुत ज्यादा होती है। कई बीच शैक्स और एक्टिविटीज ऑफ-सीजन के कारण बंद रहती हैं।

मनाली- मनाली गर्मियों में सबसे ज्यादा भीड़भाड़ वाला हिल स्टेशन बन जाता है। ट्रैफिक जाम, महंगे होटल और लंबी कतारें आपकी छुट्टियों को तनावपूर्ण बना सकती हैं।

जैसलमेर- रेगिस्तान वाला जैसलमेर गर्मियों में बेहद गर्म हो जाता है। तापमान 40त्ड से ऊपर चला जाता है और दिन में घूमना लगभग असंभव हो जाता है।

क्या ध्यान रखें? ट्रिप प्लान करने से पहले मौसम जरूर चेक करें, भीड़ से बचने के लिए ऑफबीट जगह चुनें, सुबह-शाम घूमने की योजना बनाएं, हाइड्रेशन का खास ध्यान रखें।

सुविचार

धैर्य और ईमानदारी से किया गया हर कार्य देर से ही सही, लेकिन सफलता जरूर देता है।

कल का पंचांग

तिथि	अमावस्या 08:11-05:21 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	रेवती 01:58- 12:02 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय	5:56 AM	चन्द्रोदय	05:25 AM
सूर्यास्त	6:40 PM	चंद्रास्त	06:46 PM
सूर्य राशि	मेष राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त	11:53AM -12:44 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	10:43 AM: 12:18 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

उज्जैन में अनोखा मंदिर, यहां शराब बनती है प्रसाद

भगवान काल भैरव पीते हैं शराब

यूनिक समय, मथुरा। काल भैरव मंदिर में हर दिन एक अनोखा दृश्य देखने को मिलता है–भक्त भगवान को प्रसाद के रूप में शराब चढ़ाते हैं, और कहा जाता है कि वह पल भर में "गायब" हो जाती है। यह परंपरा वर्षों से लोगों की आस्था, जिज्ञासा और बहस का केंद्र बनी हुई है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, काल भैरव को भगवान शिव का उग्र रूप माना जाता है। कथा कहती है कि

बोतल खाली, रहस्य बरकरार

आस्था और विज्ञान आमने–सामने

जब शिव ने ब्रह्मा के अहंकार को समाप्त करने के लिए भैरव को उत्पन्न किया, तब उनके भीतर एक प्रचंड ऊर्जा और "अतृप्त प्यास" जन्मी। उज्जैन को उनकी नगरी माना गया, जहां वे आज भी अपने भक्तों की रक्षा करते हैं।

मंदिर में आने वाले श्रद्धालु शराब की बोतल लेकर आते हैं। पुजारी मूर्ति के मुख के पास बने एक छोटे छेद में शराब डालते हैं, और देखते ही देखते वह गायब हो जाती है। न कोई पाइप दिखाई देता है, न कोई स्पष्ट निकास मार्ग। यही कारण है कि यह परंपरा रहस्य और आस्था का अनोखा संगम बन गई है। स्थानीय लोगों और भक्तों का मानना है कि यह केवल चमत्कार नहीं, बल्कि एक प्रतीक है। तंत्र परंपरा में शराब को "मद्य" कहा जाता है, जो मनुष्य के भीतर मौजूद दोषों–जैसे क्रोध, लोभ, भय और अहंकार–का प्रतिनिधित्व करता है। जब भक्त इसे अर्पित करते हैं, तो वे मानो अपने भीतर के नकारात्मक भाव भगवान को सौंप देते हैं। हालांकि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण इस घटना को अलग नजर से देखता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह मूर्ति की बनावट या पत्थर की संरचना के कारण हो सकता है, जो तरल को सोख लेती है। फिर भी, अब तक कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया है, जिससे रहस्य बना हुआ है। उज्जैन का यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि पर्यटन का भी बड़ा आकर्षण बन चुका है। देश–विदेश से लोग यहां इस अनोखी परंपरा को देखने आते हैं।

आखिरकार, यह सवाल खुला रह जाता है–क्या यह चमत्कार है या विज्ञान का अनसुलझा पहलू? लेकिन भक्तों के लिए जवाब साफ है: यह उनके विश्वास की शक्ति है। यहां आस्था और रहस्य एक साथ चलते हैं, और शायद यही इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

कल का दिन ज्योतिषीय दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह समय वैशाख अमावस्या के आसपास आता है, जब आध्यात्मिक ऊर्जा और आत्मचिंतन का प्रभाव अधिक रहता है। इस दिन ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति कई राशियों के जीवन में बदलाव, अवसर और चुनौतियां दोनों ला सकती है।

मेष राशि: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा और नए काम की शुरुआत के योग बनेंगे, लेकिन जल्दबाजी से बचें और सोच–समझकर निर्णय लें।

वृषभ राशि: आर्थिक मामलों में सावधानी रखें, अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है लेकिन परिवार का सहयोग बना रहेगा।

मिथुन राशि: कार्यस्थल पर व्यस्तता और नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, बातचीत में स्पष्टता रखने से लाभ होगा।

कर्क राशि: भावनात्मक निर्णयों से बचें, परिवार का साथ मिलेगा लेकिन सेहत का ध्यान रखना जरूरी है।

सिंह राशि: मान–सम्मान और सफलता के योग हैं, नौकरी और व्यापार में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

कन्या राशि: काम में फोकस बनाए रखें, छोटी गलतियां नुकसान दे सकती हैं लेकिन मेहनत रंग लाएगी।

तुला राशि: रिश्तों में सुधार होगा और पार्टनरशिप से लाभ मिल सकता है, आर्थिक स्थिति भी बेहतर रहेगी।

वृश्चिक राशि: नए अवसर मिलेंगे लेकिन खर्च पर नियंत्रण जरूरी है, विरोधियों से सतर्क रहें।

धनु राशि: भाग्य का साथ मिलेगा, शिक्षा और करियर में प्रगति के साथ धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मकर राशि: जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और कार्यभार रहेगा, लेकिन मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा।

कुंभ राशि: नई योजनाएं बनेंगी और मित्रों का सहयोग मिलेगा, मानसिक शांति बनी रहेगी।

मीन राशि: आर्थिक लाभ के संकेत हैं, रुके हुए काम पूरे होंगे और परिवार में खुशी रहेगी।

पिता जीवित हों, फिर भी तर्पण संभव, शास्त्र सम्मत नियम स्पष्ट

यूनिक समय, मथुरा। वैशाख अमावस्या को पितरों की शांति और तृप्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। वर्ष 2026 में यह तिथि 17 अप्रैल को पड़ रही है। इस दिन श्रद्धालु स्नान, दान, तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान जैसे कर्म करते हैं, जिससे पितरों की कृपा प्राप्त होने की मान्यता है। लेकिन अक्सर लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है कि यदि किसी व्यक्ति के पिता जीवित हैं, तो क्या वह अपने पितरों के लिए तर्पण कर सकता है?

शास्त्रों के अनुसार, विशेषकर गरुड़ पुराण में वर्णित नियमों के मुताबिक, श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण का प्राथमिक अधिकार मृतक के पुत्र को प्राप्त होता है। यदि पुत्र उपलब्ध नहीं है, तो पत्नी, पुत्री, भाई, पोता या अन्य परिजन यह कर्म कर सकते हैं। परंतु यह स्पष्ट किया गया है कि श्राद्ध केवल दिवंगत आत्माओं के लिए किया जाता है,

जबकि तर्पण एक व्यापक पितृ–तृप्ति की प्रक्रिया है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, पिता के जीवित रहते पुत्र को उनका श्राद्ध या पिंडदान करने का अधिकार नहीं होता, क्योंकि यह कर्म मृत्यु के उपरांत ही किया जाता है। हालांकि शास्त्रों में इस बात पर कोई रोक नहीं है कि जीवित पिता की उपस्थिति में अन्य दिवंगत पितरों जैसे दादा, परदादा, नाना–नानी आदि के लिए तर्पण किया जाए। इसे पूरी तरह शुभ और पुण्यदायी माना गया है।

तर्पण की प्रक्रिया में प्रातःकाल स्नान के बाद कुशा धारण कर जल में काला तिल, पुष्प आदि मिलाकर पितरों का स्मरण किया जाता है और जल अर्पित किया जाता है। यह क्रिया पितरों की आत्मा को तृप्ति प्रदान करती है। इस प्रकार, वैशाख अमावस्या पर कोई भी व्यक्ति अपने पूर्वजों का तर्पण कर सकता है, भले ही उसके माता–पिता जीवित हों। यह कर्म कुल की उन्नति और पितृ कृपा प्राप्ति का माध्यम माना जाता है।

लक्ष्मण रेखा: प्राचीन 'सोम तिथि विद्या' को लेकर चौंकाने वाला रहस्य

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय पौराणिक कथाओं में लक्ष्मण रेखा को आज तक एक साधारण सुरक्षा रेखा के रूप में समझा जाता रहा है, लेकिन कुछ मान्यताओं और कथित व्याख्याओं में इसे केवल एक लकीर नहीं बल्कि एक शक्तिशाली ऊर्जा–दीवार बताया जाता है। इन दावों के अनुसार यह कोई सामान्य सीमा नहीं थी, बल्कि एक प्राचीन ब्रह्मांडीय तकनीक थी, जिसे "सोम तिथि विद्या" कहा जाता है।

इन मान्यताओं में कहा जाता है कि यह विद्या वेदों और प्राचीन ग्रंथों में संकेत रूप में मौजूद थी, और इसका एक विशेष बीज मंत्र बताया जाता है, जिसे "एक्टिवेशन कोड" की तरह समझाया जाता है। दावा किया जाता है कि यह मंत्र अग्नि, जल और वायु के सूक्ष्म कणों को एकत्र कर एक अदृश्य सुरक्षा कवच यानी एनर्जी बैरियर में बदल देता था। आधुनिक विज्ञान की भाषा में इसे एक प्रकार का "इनविज़िबल शील्ड सिस्टम" कहा जा

सकता है।

कुछ कथाओं के अनुसार, यह विद्या बहुत सीमित रूप में केवल कुछ प्राचीन गुरुकुलों में सिखाई जाती थी और लक्ष्मण जैसे पात्र को इसका ज्ञाता बताया जाता है। इसी कारण इसे "लक्ष्मण रेखा" कहा गया, जिसे खींचा नहीं गया बल्कि सक्रिय किया गया था।

इसी तरह, कुछ मान्यताओं में यह भी कहा जाता है कि महाभारत युद्ध के दौरान श्रीकृष्ण ने एक प्रकार का ऊर्जा क्षेत्र (फील्ड) स्थापित किया था, ताकि युद्ध की विनाशकारी ऊर्जा निर्धारित सीमा से बाहर न फैले। इसे भी सोम तिथि विद्या का ही एक रूप बताया जाता है।

हालांकि आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण इस प्रकार के दावों को प्रमाणित नहीं करता और इसे पौराणिक कल्पना या प्रतीकात्मक कथा के रूप में देखता है।

लेकिन समर्थकों का मानना है कि प्राचीन भारत में ऐसी उन्नत ज्ञान–प्रणालियाँ रही होंगी, जो आज के विज्ञान से भी आगे हो सकती थीं, लेकिन समय के साथ खो गईं। इन विचारों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या यह केवल मिथक हैं या प्राचीन विज्ञान के ऐसे संकेत, जिन्हें आज तक पूरी तरह समझा नहीं जा सका? यही रहस्य इन कथाओं को और अधिक रोचक बना देता है।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 17 अप्रैल: वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

सम्पादकीय

सस्ती आदतों पर टैक्स, महंगी बीमारियों से बचाव

देश में आज बीमारी भी "डिस्काउंट ऑफर" की तरह मिल रही है–जितनी सस्ती, उतनी खतरनाक। बाजार में तंबाकू, शराब और मीठे पेय पदार्थ ऐसे बिक रहे हैं मानो सेहत नहीं, बल्कि जोखिम पर छूट दी जा रही हो। और जब यही सस्ते जहर धीरे–धीरे शरीर को खोखला कर देते हैं, तब इलाज इतना महंगा हो जाता है कि आदमी बीमारी से कम, बिल से ज्यादा डरता है। विडंबना देखिए–हम दूषित

पवन गौतम
संपादक

पानी से फैलने वाली बीमारियों से बचने के लिए फिल्टर खरीदते हैं, लेकिन खुद ही बोतल में भरी "मीठी बीमारी" खरीदकर पी जाते हैं। संक्रामक रोगों से लड़ाई आसान है, क्योंकि दुश्मन दिखता है; मगर असंक्रामक रोगों में दुश्मन हमारी थाली और आदतों में छिपा बैठा है। यही कारण है कि दिल के दौरे, स्ट्रोक और मधुमेह जैसे रोग चुपचाप समाज को जकड़ते जा रहे हैं। अब सवाल उठता है–क्या केवल जागरूकता से काम चलेगा? अनुभव कहता है, "नहीं।" जब तक जेब पर चोट न पड़े, तब तक आदतें बदलना मुश्किल है। यहीं 'हेल्थ टैक्स' की एंट्री होती है। यह टैक्स दरअसल सरकार का वह "कड़वा काढ़ा" है, जो पीने में भले खराब लगे, लेकिन सेहत के लिए जरूरी है। तंबाकू और शराब पर ज्यादा कर लगाने से इनकी खपत में कमी आती है–यह कोई सिद्धांत नहीं, बल्कि कई देशों में साबित तथ्य है। कुछ कंपनियां इसे "संस्कृति पर हमला" बताती हैं। मानो संस्कृति का मतलब सिर्फ पान मसाला और कोल्ड ड्रिंक हो! अगर ऐसा है तो फिर अस्पताल भी हमारी नई सांस्कृतिक धरोहर घोषित कर देने चाहिए। सच यह है कि कंपनियां मुनाफे की चिंता में बच्चों तक को अपना ग्राहक बना रही हैं, और हम इसे परंपरा का नाम देकर नजरअंदाज कर रहे हैं। भारत में मोटापा और मधुमेह जिस रफ्तार से बढ़ रहे हैं, वह किसी महामारी से कम नहीं। अल्ट्रा–प्रोसेस्ड फूड और मीठे पेय पदार्थों पर बढ़ा टैक्स एक सही कदम है, लेकिन अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। खासकर बीड़ी और सस्ते तंबाकू उत्पादों पर कड़ी कर नीति जरूरी है, वरना "सस्ती मौत" का यह कारोबार यूं ही फलता–फूलता रहेगा। अंततः, हेल्थ टैक्स कोई सजा नहीं, बल्कि चेतावनी है–एक आर्थिक ब्रेक, जो हमें अनियंत्रित उपभोग की रफ्तार से रोकता है। अगर आज थोड़ी महंगाई से हम अपनी आदतें सुधार लें, तो कल अस्पताल के बिल से बच सकते हैं। वरना सस्ती चीजों का यह मोह, हमें बहुत महंगा पड़ने वाला है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

नोएडा का श्रमिक विस्फोट: व्यवस्था की चुप्पी या मिलीभगत का परिणाम?

ललित शर्मा

नोएडा में हाल ही में भड़का मजदूर आंदोलन केवल एक स्थानीय घटना नहीं है, बल्कि यह उस गहरी असंतोष की आग का संकेत है जो लंबे समय से औद्योगिक क्षेत्रों में सुलग रही थी। सवाल यह उठता है कि क्या यह विस्फोट अचानक हुआ, या इसके पीछे औद्योगिक, प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर कोई ऐसी संरचनात्मक विफलता है जिसने हालात को इस मोड़ तक पहुंचाया?

यदि आंदोलन की पृष्ठभूमि को समझें, तो मजदूरों की मांगें कोई असामान्य नहीं हैं। न्यूनतम वेतन को 20,000 रुपये तक बढ़ाने, बोनस और ओवरटाइम का उचित भुगतान–ये वे बुनियादी अधिकार हैं जो किसी भी श्रमिक को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। जब पड़ोसी राज्य हरियाणा में मजदूरी बढ़ती है और उत्तर प्रदेश में वही श्रमिक कम वेतन पर काम करने को मजबूर होते हैं, तो असंतोष का पैदा होना स्वाभाविक है।

दरअसल, यह समस्या केवल वेतन तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक आर्थिक ढांचे की खामी को उजागर करती है, जिसमें विकास के बड़े–बड़े दावे तो किए जाते हैं, लेकिन श्रमिकों के जीवन स्तर को नजरअंदाज कर दिया जाता है। महंगी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और बढ़ती शहरी जीवन लागत के बीच कम वेतन पाने वाला मजदूर आखिर कैसे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगा? यह प्रश्न केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। यहां एक महत्वपूर्ण पहलू प्रशासनिक और औद्योगिक गठजोड़ का भी है। अक्सर यह देखा गया है कि श्रम कानूनों का पालन कागजों तक सीमित रहता है। नियुक्ति पत्र, भविष्य निधि, बीमा, ग्रेच्युटी जैसी सुविधाएं बड़ी संख्या में श्रमिकों को नहीं मिलतीं। ठेका प्रथा ने स्थिति को और जटिल बना दिया है, जहां श्रमिकों की जवाबदेही तो तय होती है, लेकिन उनके अधिकारों की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं होती।

जब इस तरह का शोषण लगातार चलता रहता है, तो उसका परिणाम किसी न किसी दिन विस्फोट के रूप में सामने आता है। नोएडा का आंदोलन उसी श्रृंखला की एक कड़ी है। हालांकि, इस आंदोलन का हिंसक हो जाना एक गंभीर चिंता का विषय है। तोड़फोड़ और आगजनी किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकते, बल्कि इससे मूल मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और कानून–व्यवस्था का प्रश्न प्रमुख हो जाता है। राजनीतिक प्रतिक्रिया भी इस पूरे घटनाक्रम में कम महत्वपूर्ण नहीं है। सत्ता पक्ष ने जहां इसे साजिश या बाहरी तत्वों की भूमिका बताया, वहीं विपक्ष ने इसे सरकार की नीतियों की विफलता करार दिया। सच्चाई शायद इन दोनों के बीच कहीं है। यह मानना कठिन है कि इतना बड़ा आंदोलन बिना किसी गहरे कारण के अचानक भड़क सकता है, लेकिन इसे पूरी तरह राजनीतिक साजिश बताना भी वास्तविक समस्याओं से ध्यान हटाने जैसा है। वास्तव में, भारत की राजनीति में श्रमिक मुद्दे अक्सर चुनावी भाषणों तक सीमित रह जाते हैं। दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक जैसे सामाजिक वर्गों की बात तो होती है, लेकिन श्रमिकों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर और निरंतर बहस का अभाव है। यही कारण है कि श्रम नीतियां अक्सर उद्योगों के हितों के अनुरूप बनती हैं, जबकि श्रमिकों की आवाज कमजोर पड़ जाती है।

इस पूरे प्रकरण का एक और पहलू है–अंतरराज्यीय प्रतिस्पर्धा। जब एक राज्य मजदूरी बढ़ाता है, तो दूसरे राज्यों के श्रमिक भी उसी स्तर की अपेक्षा करते हैं। यदि इस अंतर को संतुलित नहीं किया गया, तो यह असंतोष और आंदोलनों को जन्म देगा। इसलिए यह आवश्यक है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर एक संतुलित और न्यायसंगत श्रम नीति तैयार करें।

नोएडा का यह आंदोलन आने वाले समय में राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। यदि श्रमिक असंतोष बढ़ता है, तो यह चुनावी मुद्दा बन सकता है। विपक्ष इसे सरकार के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकता है, जबकि सत्ता पक्ष को कानून–व्यवस्था और विकास के अपने दावों को साबित करने की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

लेकिन सबसे अहम सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या केवल वेतन बढ़ा देने से समस्या हल हो जाएगी? या फिर इसके लिए एक व्यापक सुधार की आवश्यकता है? समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए। सबसे पहले, श्रम कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। ठेका प्रथा में पारदर्शिता लाई जाए और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाए। न्यूनतम वेतन को जीवन–यापन की वास्तविक लागत के आधार पर तय किया जाए। साथ ही, उद्योगों और श्रमिक संगठनों के बीच संवाद को मजबूत किया जाए, ताकि समस्याएं समय रहते सुलझाई जा सकें। प्रशासन की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। उसे केवल कानून–व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि श्रमिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर उनका समाधान करना चाहिए। यदि समय रहते हस्तक्षेप किया जाए, तो इस तरह के आंदोलनों को हिंसक होने से रोका जा सकता है।

अंततः, यह समझना होगा कि श्रमिक केवल उत्पादन का साधन नहीं हैं, बल्कि वे अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनके बिना किसी भी विकास की कल्पना अधूरी है। यदि उनकी समस्याओं को नजरअंदाज किया जाएगा, तो ऐसे विस्फोट बार–बार होते रहेंगे। नोएडा का यह आंदोलन एक चेतावनी है–नीतियों की समीक्षा करने की, व्यवस्था को सुधारने की और सबसे बढ़कर, श्रमिकों को उनका हक देने की। यदि इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो आने वाले समय में यह असंतोष और व्यापक रूप ले सकता है। इसलिए अब वक्त है कि औद्योगिक, प्रशासनिक और राजनीतिक तंत्र आत्ममंथन करे। क्योंकि यदि व्यवस्था की चुप्पी जारी रही, तो यह केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि एक बड़े सामाजिक बदलाव की शुरुआत भी हो सकती है।

विचार विण्डो

आईपीएल में डोसा इडली गाने से मैदान में छिड़ा बड़ा विवाद

बोध प्रकाश सगुणी

इंडियन प्रीमियर लीग आज केवल क्रिकेट का आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि यह एक विशाल मंच बन चुका है जहां खेल के साथ मनोरंजन और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति भी दिखाई देती है। लेकिन इसी भव्यता के बीच कभी–कभी ऐसे विवाद सामने आ जाते हैं, जो इस आयोजन की मर्यादा पर सवाल खड़े कर देते हैं। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मुकाबले में 'डोसा–इडली' गाने को लेकर उठा विवाद इसी दिशा में एक गंभीर संकेत देता है।

बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच के दौरान "डोसा, इडली, सांभर, चटनी" जैसे शब्दों वाला गीत बजाया गया। सामान्य तौर पर यह दक्षिण भारतीय खानपान का उल्लेख करता है, लेकिन वर्तमान समय में यही शब्द कई बार सामाजिक माध्यमों पर दक्षिण भारतीय लोगों को एक विशेष छवि में बांधने के लिए प्रयोग किए जाते रहे हैं। यही वजह है कि चेन्नई की टीम ने इसे अपमानजनक मानते हुए आपत्ति जताई।

टीम का मानना है कि यह केवल एक गीत नहीं था, बल्कि इसके माध्यम से एक क्षेत्र विशेष की पहचान को हल्के में प्रस्तुत किया गया। इसी आधार पर भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड से शिकायत की गई और मामले की जांच की मांग उठाई गई। इससे यह स्पष्ट होता है कि अब खेल के मंच पर होने वाली हर गतिविधि को गंभीरता से देखा जाने लगा है।

यह विवाद इस बात को भी उजागर करता है कि आज खेल केवल खेल नहीं रह गया है, बल्कि यह समाज का आईना बन चुका है।

स्टेडियम में बजने वाला एक गाना भी करोड़ों लोगों तक संदेश पहुंचाता है, इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि हर निर्णय सोच–समझकर लिया जाए। विशेष रूप से भारत जैसे विविधताओं वाले देश में, जहां हर क्षेत्र की अपनी अलग पहचान है, वहां इस प्रकार की संवेदनशीलता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

दर्शकों की भूमिका भी इस पूरे माहौल में अहम होती है। वे अपनी टीम का समर्थन करने के लिए उत्साह के साथ आते हैं और इसी माहौल को और ऊर्जा देने का काम संगीत संचालक करते हैं। लेकिन यहां यह समझना जरूरी है कि उत्साह और अपमान के बीच एक बहुत पतली रेखा होती है, जिसे पार नहीं किया जाना चाहिए।

यह पहली बार नहीं है जब ऐसा विवाद सामने आया हो। पहले भी इसी प्रकार के गीत को लेकर चर्चा हो चुकी है, लेकिन इस बार मामला औपचारिक शिकायत तक पहुंच गया है। यह दर्शाता है कि अब समाज अधिक जागरूक हो गया है और लोग अपनी पहचान के प्रति अधिक संवेदनशील हो चुके हैं।

अब जिम्मेदारी आयोजन से जुड़ी संस्था पर आती है कि वह इस तरह के मामलों में स्पष्ट दिशा–निर्देश तय करे। यह आवश्यक हो गया है कि स्टेडियम में होने वाली हर गतिविधि के लिए एक मर्यादा निर्धारित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के विवादों से बचा जा सके।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच की प्रतिस्पर्धा इस आयोजन की सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्विताओं में से एक है। दर्शक इसे बेहद पसंद करते हैं, लेकिन यह प्रतिस्पर्धा तभी तक अच्छी लगती है, जब तक इसमें सम्मान बना रहता है। जैसे ही यह मर्यादा टूटती है, प्रतिस्पर्धा का आकर्षण कम होने लगता है।

यह विवाद एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी। चेतावनी इसलिए कि अगर समय रहते सुधार नहीं किया गया तो ऐसे विवाद बढ़ सकते हैं, और अवसर इसलिए कि इससे सीख लेकर व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकता है। अंततः यह समझना जरूरी है कि क्रिकेट केवल खेल नहीं है, बल्कि यह लोगों को जोड़ने का माध्यम है। अगर इस मंच पर संवेदनशीलता और सम्मान बनाए रखा जाए, तो यह समाज में एकता का संदेश दे सकता है। लेकिन यदि इसमें लापरवाही बरती गई, तो यही मंच विवादों का कारण भी बन सकता है।

ईशान किशन से जाएगी कप्तानी पैट कमिंस की वापसी तय

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में ईशान किशन इस समय सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी संभाल रहे हैं, लेकिन यह जिम्मेदारी अब ज्यादा समय तक उनके पास नहीं रहने वाली। टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस फिट होकर वापसी के करीब हैं और उनके टीम से जुड़ते ही कप्तानी फिर से उनके हाथों में चली जाएगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पैट कमिंस ने अपनी फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और वह 17 अप्रैल को भारत लौटकर टीम के साथ जुड़ सकते हैं। पीठ की चोट के कारण वे अब तक इस सीजन में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। हाल ही में सिडनी में हुए स्कैन में उनकी रिकवरी पूरी तरह संतोषजनक पाई गई है, जिससे टीम मैनेजमेंट को बड़ी राहत मिली है। हालांकि, भारत लौटने के बाद भी वे तुरंत मैदान पर नहीं उतरेंगे और कुछ मैचों तक बाहर रह सकते हैं।

इस बीच, सनराइजर्स हैदराबाद का अगला मुकाबला 18 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ है। इसके बाद 21 अप्रैल को टीम दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। माना जा रहा है कि इन दोनों मैचों में भी कमिंस खेलते नजर नहीं आएंगे। उनकी वापसी 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में हो सकती है। अगर टीम के प्रदर्शन की बात करें तो ईशान किशन की कप्तानी में एसआरएच ने अब तक 5 मैच खेले हैं, जिनमें से 2 में जीत और 3 में हार मिली है। टीम के पास फिलहाल 4 अंक हैं और वह अंक तालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए आने वाले मुकाबले टीम के लिए बेहद अहम साबित होंगे। कुल मिलाकर, पैट कमिंस की वापसी से टीम को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जबकि ईशान किशन बतौर खिलाड़ी टीम के लिए योगदान देते नजर आएंगे। अब सभी की नजरें कमिंस की वापसी और टीम के आगामी प्रदर्शन पर टिकी हैं।

यश ने रामायण के वीएफएक्स को लेकर आलोचनाओं पर अपनी चुप्पी तोड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। यश ने रामायण के वीएफएक्स को लेकर हो रही आलोचनाओं पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में रिलीज हुए फर्स्ट लुक के बाद दर्शकों ने विजुअल इफेक्ट्स पर सवाल उठाए थे, जिस पर अब एक्टर ने सफाई दी है। यश, जो फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे हैं, ने कहा कि वीएफएक्स का काम अभी पूरा नहीं हुआ है और इस पर लगातार काम चल रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि फाइनल प्रोडक्ट दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म के लिए इंटरनेशनल वीएफएक्स कंपनी डी–नेग के साथ काम किया जा रहा है, जिससे क्वालिटी बेहतर होगी।

इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे और निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। 'रामायणः पार्ट 1' को इस साल दिवाली के मौके पर, यानी अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में रिलीज करने की योजना है।

'मातृभूमि' ओटीटी नहीं थिएटर में ही होगी रिलीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। सलमान खान की अपकमिंग फिल्म मातृभूमि को लेकर पिछले कुछ समय से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। खासतौर पर फिल्म की रिलीज डेट बार–बार टलने के बाद यह खबर सामने आई थी कि इसे सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा सकता है। हालांकि, अब इन खबरों पर स्थिति साफ हो गई है रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को लेकर जो अफवाहें चल रही थीं, वे सही नहीं हैं। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों ने साफ किया है कि 'मातृभूमि' को सीधे ओटीटी पर रिलीज करने की कोई योजना नहीं है। यह फिल्म बड़े बजट और भव्य पैमाने पर तैयार की गई है, इसलिए मेकर्स इसे सिनेमाघरों में ही रिलीज करना चाहते हैं। फिल्म के निर्देशक अपूर्व लाखिया और सलमान खान दोनों ही इसे बिग स्क्रीन एक्सपीरियंस के रूप में दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं। फिलहाल फिल्म से जुड़े कुछ मुद्दों को सुलझाने का काम चल रहा है, जिसके बाद इसकी नई रिलीज डेट का ऐलान किया जाएगा।

इसके अलावा, यह भी स्पष्ट किया गया है कि ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों को भी एक तरह की सेंसर प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। यानी ऐसा नहीं है कि ओटीटी पर बिना किसी नियम के कंटेंट रिलीज किया जा सकता है। कुल मिलाकर, 'मातृभूमि' के ओटीटी पर आने की खबरें सिर्फ अफवाह साबित हुई हैं। फैंस को इस फिल्म के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा, लेकिन यह तय है कि वे इसे बड़े पर्दे पर ही देख पाएंगे।

वैशाली का कमाल: अब विश्व चैंपियन बनने की बारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय शतरंज को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। आर वैशाली ने फिडे महिला कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट 2026 जीतकर इतिहास रच दिया है। इस जीत के साथ ही वह अब मौजूदा विश्व चैंपियन जू वेनजुन को विश्व खिताब के लिए चुनौती देंगी।

24 वर्षीय वैशाली ने टूर्नामेंट के अंतिम दौर में यूक्रेन की कातेरिना लाग्नो को सफेद मोहरों से हराकर कुल 14 में से 8.5 अंक हासिल किए। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने शानदार संयम और रणनीति का प्रदर्शन किया, जिससे वह अपने प्रतिद्वंद्वियों से आधा अंक आगे रहते हुए शीर्ष पर रहीं। वैशाली की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत अपेक्षाकृत कम रेटिंग के साथ की थी। इसके बावजूद उन्होंने मजबूत खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए खिताब अपने नाम किया। उनका यह प्रदर्शन भारत के डी गुकेश की याद दिलाता है, जिन्होंने 2024 में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर सबको चौंका दिया था।

निर्णायक मुकाबले में वैशाली ने शुरुआती चालों से ही बढ़त बना ली थी। मिडिल गेम में सटीक रणनीति अपनाते हुए उन्होंने अपनी स्थिति मजबूत रखी और अंततः जीत दर्ज की। हालांकि, उनकी जीत में अन्य मुकाबलों के परिणाम भी अहम रहे, जहां दिव्या देशमुख ने बिबिसारा अस्सौबायेवा के खिलाफ ड्रॉ खेलकर वैशाली की स्थिति मजबूत कर दी। गौरतलब है कि एक समय वैशाली इस टूर्नामेंट में भाग लेने को लेकर असमंजस में थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। अब उनकी नजरें विश्व चैंपियन बनने पर टिकी हैं, जिससे भारत को महिला शतरंज में नई ऊंचाई मिल सकती है।

'भूत बंगला' की स्टार कास्ट फीस का खुलासा

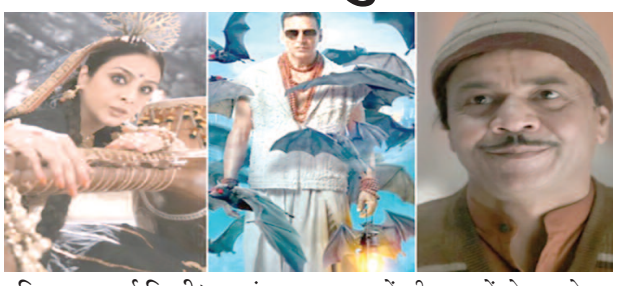

यूनिक समय, नई दिल्ली। भूत बंगला रिलीज से पहले ही काफी चर्चा में है। हॉरर–कॉमेडी इस फिल्म में बड़ी स्टार कास्ट नजर आने वाली है, जिसमें अक्षय कुमार, तब्बू, राजपाल यादव और वामिका गब्बी जैसे कलाकार शामिल हैं। अब फिल्म की रिलीज से पहले इन सितारों की फीस को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय कुमार इस फिल्म के लिए सबसे ज्यादा फीस ले रहे हैं। उन्हें करीब 18 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। खास बात यह है कि वह फिल्म के को–प्रोड्यूसर भी हैं, जिसके चलते उन्हें मुनाफे में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी भी मिलेगी। वहीं फिल्म की दूसरी प्रोड्यूसर एकता कपूर को 30 प्रतिशत लाभ मिलेगा। अगर अन्य कलाकारों की बात करें तो तब्बू ने इस फिल्म के लिए लगभग 2 करोड़ रुपये फीस ली है। वहीं वामिका गब्बी को करीब 1 करोड़ रुपये दिए गए हैं। कॉमेडी के लिए मशहूर राजपाल यादव ने इस फिल्म में काम करने के लिए लगभग 75 से 80 लाख रुपये चार्ज किए हैं। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है, जो अपने खास कॉमिक अंदाज के लिए जाने जाते हैं।

इस फिल्म के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन करीब 14 साल बाद साथ काम कर रहे हैं, जिससे दर्शकों में खासा उत्साह है। बताया जा रहा है कि 'भूत बंगला' का कुल बजट लगभग 120 करोड़ रुपये है। हॉरर और कॉमेडी के मिश्रण के साथ यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

'सन ऑफ सरदार 2' से सीन कटने पर मृणाल ठाकुर की नाराजगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मृणाल ठाकुर ने फिल्म सन ऑफ सरदार 2 को लेकर अपनी निराशा खुलकर जाहिर की है। हाल ही में दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि फिल्म से उनके कई अहम सीन काट दिए गए, जिससे उन्हें काफी झटका लगा और उनका भरोसा भी थोड़ा डगमगा गया।

मृणाल ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनके पति का किरदार चंकी पांडे निभाने वाले हैं। इस बदलाव ने उनके किरदार को लेकर उनकी सोच को प्रभावित किया। उन्होंने यह भी बताया कि रोशनी वालिया के साथ उनका एक भावनात्मक सीन था, जिसे फिल्म से हटा दिया गया। एक्ट्रेस के मुताबिक, वह सीन कहानी के लिए बेहद खास था और दर्शकों से कनेक्ट कर सकता था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपने काम को लेकर कोई पछतावा नहीं है। वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल हाल ही में डकैत में नजर आई हैं और आगे भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स में दिखाई देंगी।

क्या शरवरी बनेंगी मधुबाला? कास्टिंग को लेकर चर्चा तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला की बायोपिक को लेकर बॉलीवुड में काफी हलचल है। इस फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए कई एक्ट्रेसेस के नाम सामने आए हैं, लेकिन अब शरवरी का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, शरवरी इस रोल के लिए मेकर्स की टॉप चॉइस में शामिल हैं। हालांकि, अभी तक उनकी कास्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि उन्हें फिल्म के लिए साइन किया गया है या अभी बातचीत चल रही है। इस बायोपिक के लिए पहले साई पल्लवी, सारा अर्जुन, कल्याणी प्रियदर्शन और अनीत पड्डा जैसे नाम भी सामने आ चुके हैं। इन सभी में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी जा रही है, लेकिन फिलहाल शरवरी आगे नजर आ रही हैं। फिल्म का निर्देशन जसमीत के. रीन कर रही हैं, जो पहले 'डार्लिंग्स' जैसी चर्चित फिल्म बना चुकी हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो शरवरी आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी, जिनमें इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' और 'अल्फा' शामिल हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि आखिरकार मधुबाला का किरदार किसे मिलता है।

इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले भोजपुरी स्टार कौन?

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुरी इंडस्ट्री का नाम आते ही पवन सिंह, दिनेश लाल यादव (निरहुआ), रवि किशन और मनोज तिवारी जैसे बड़े सितारों की याद आती है। लेकिन अगर बात इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले भोजपुरी स्टार की करें, तो इस रेस में एक अलग ही नाम सबसे आगे है–खेसारी लाल यादव। खेसारी लाल यादव आज भोजपुरी इंडस्ट्री के सबसे लोकप्रिय सितारों में गिने जाते हैं। उनके इंस्टाग्राम पर करीब 8.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जो उन्हें इस इंडस्ट्री का सबसे ज्यादा फॉलो किया जाने वाला स्टार बनाता है। वह सिर्फ एक्टर ही नहीं, बल्कि सिंगर, डांसर और परफॉर्मर भी हैं। उन्होंने 70 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है और 5000 से अधिक गाने गाए हैं। उनके गाने और डांस वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं।

इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर मैथिली ठाकुर हैं, जिनके करीब 8 मिलियन फॉलोअर्स हैं। अपनी मधुर आवाज और लोकगीतों के लिए मशहूर मैथिली ने देशभर में पहचान बनाई है। तीसरे स्थान पर अक्षरा सिंह हैं, जिनके लगभग 6.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। अक्षरा अपनी एक्टिंग और स्टाइल के लिए जानी जाती हैं।

वहीं चौथे नंबर पर पवन सिंह (6.3 मिलियन) और पांचवें स्थान पर मोना लिसा (लगभग 5.9 मिलियन) हैं। आम्रपाली दुबे भी इस सूची में शामिल हैं, जिनके करीब 5.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं। अगर अन्य कलाकारों की बात करें तो रवि किशन के लगभग 3.2 मिलियन, दिनेश लाल यादव के 2.4 मिलियन और मनोज तिवारी के करीब 1.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। कुल मिलाकर, यह साफ है कि सोशल मीडिया के दौर में लोकप्रियता का पैमाना बदल चुका है।

अक्षय कुमार का इमोशनल किस्सा: मां की सीख ने बदली सोच

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्षय कुमार ने हाल ही में एक शो के दौरान अपनी जिंदगी का एक प्रेरणादायक किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि जब वह अपना पहला घर खरीदने की सोच रहे थे, तब उनकी मां ने उन्हें बड़ा सोचने की सलाह दी थी।

अक्षय ने कहा कि उन्होंने पहले 2 बीएचके फ्लैट का प्लान बनाया था, लेकिन उनकी मां ने कहा "पुत्तर, बड़ा सोच।" इस बात ने उन्हें सोच बदलने पर मजबूर कर दिया और उन्होंने 5 बीएचके घर लेने का लक्ष्य रखा। उनकी मां का मानना था कि पहला घर अपने लिए होता है और उसमें किस्मत मदद करती है, लेकिन बाद के फैसलों के लिए मेहनत जरूरी होती है।

रहमान डकैत पर गुलशन ग्रोवर का खुलासा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के 'बैड मैन' गुलशन ग्रोवर ने हाल ही में फिल्म धुरंधर के चर्चित किरदार रहमान डकैत को लेकर दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि शत्रुघ्न सिन्हा का मानना था कि यह रोल उन्हें निभाना चाहिए था।

गुलशन ग्रोवर ने एक मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि डिनर के दौरान शत्रुघ्न सिन्हा ने उनसे कहा, "तुम्हें रहमान डकैत का किरदार निभाना चाहिए था।" यह किरदार फिल्म में अक्षय खन्ना ने निभाया था। इस पर ग्रोवर ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया कि वह भी इस बात से सहमत हैं और शायद दर्शक भी ऐसा ही सोचते होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ सिनेमा में काफी बदलाव आया है, खासकर विलेन के किरदारों में। पहले जहां खौफनाक और दमदार खलनायक देखने को मिलते थे, वहीं अब ऐसे किरदार कम नजर आते हैं। हालांकि, उनका मानना है कि यह बदलाव समाज के अनुसार है और भविष्य में ऐसे किरदार फिर लौट सकते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो गुलशन ग्रोवर जल्द ही वेब सीरीज 'मटका किंग' में नजर आएंगे, जिसमें वह एक अलग अंदाज में दिखाई देंगे।

नोएडा हिंसा केस में बड़ा खुलासा

साजिश के तहत भड़काया गया प्रदर्शन,कई जगहों पर हुई मीटिंग्स

यूनिक समय, नोएडा। नोएडा में हाल ही में हुए श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन मामले में पुलिस जांच में लगातार नए खुलासे सामने आ रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, यह पूरा आंदोलन अचानक नहीं हुआ बल्कि इसके पीछे एक सुनियोजित साजिश बताई जा रही है। पुलिस का दावा है कि सेक्टर 15, सेक्टर 83, सेक्टर 63 और सेक्टर 58 समेत कई औद्योगिक इलाकों में पहले से गुप्त बैठकें की गई थीं, जहां मजदूरों को भड़काने की रणनीति बनाई गई।

जांच के दौरान पुलिस ने "मजदूर बिगुल दस्ता" नामक संगठन से जुड़े रूपेश राय को गिरफ्तार किया है, जिस पर प्रदर्शन को हिंसक बनाने और श्रमिकों को उकसाने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि आरोपी कई व्हाट्सऐप ग्रुप्स में सक्रिय था और वहां लगातार भड़काऊ संदेश साझा किए जा रहे थे।

इसके अलावा कुछ अन्य संगठनों और कथित "लेफ्टिस्ट" व "अर्बन नक्सल" से जुड़े लोगों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि अप्रैल के शुरुआती दिनों से ही अलग-अलग स्थानों पर मजदूरों की बैठकें आयोजित की जा रही थीं, जिनमें औद्योगिक क्षेत्र में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। पुलिस के अनुसार, अब तक हुई 66 गिरफ्तारियों में कई लोग ऐसे भी हैं जो वास्तविक श्रमिक नहीं हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए डिजिटल फॉरेंसिक जांच भी शुरू कर दी गई है और 17 से अधिक व्हाट्सऐप ग्रुप्स की निगरानी की जा रही है।

सरकार ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और अफवाह फैलाने वालों पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

औद्योगिक इलाकों में पहले से चल रही थीं गुप्त बैठकें

मजदूर बिगुल दस्ता के रूपेश राय गिरफ्तार

कई 'लेफ्टिस्ट' और एक्टिविस्ट को हिरासत में लेकर पूछताछ

34 गिरफ्तार लोग श्रमिक नहीं होने का दावा

17 व्हाट्सऐप ग्रुप्स की फॉरेंसिक जांच जारी

तिलक समारोह का खाना खाने से 40 लोग बीमार

यूनिक समय, रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में एक तिलक समारोह के दौरान खाने के बाद 40 लोगों की तबीयत बिगड़ने से हड़कंप मच गया। मामला शिवगढ़ कस्बे का है, जहां बुधवार को राजन गुप्ता के बेटे सुशील गुप्ता का तिलक समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों को भोज के लिए आमंत्रित किया गया था, जो बछरावां स्थित एक मैरिज हॉल में आयोजित हुआ। जानकारी के अनुसार, रात करीब 12:30 बजे भोजन करने के कुछ समय बाद ही कई लोगों को उल्टी, पेट दर्द और चक्कर जैसी शिकायतें होने लगीं। देखते ही देखते दर्जनों लोगों की हालत बिगड़ गई, जिसके बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। परिजनों और आयोजकों ने तुरंत सभी प्रभावित लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शिवगढ़ पहुंचाया।सीएचसी में तैनात डॉक्टरों की टीम ने सभी 40 मरीजों का इलाज किया। डॉक्टरों के अनुसार, मरीजों में फूड पॉइजनिंग के लक्षण पाए गए, लेकिन समय पर इलाज मिलने से सभी की हालत स्थिर हो गई। किसी भी मरीज को गंभीर स्थिति में रेफर करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। बीमार लोगों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग समेत कई लोग शामिल हैं, जिनमें सुमन (30), प्रेमा (65), शकीला (46), कुसुम लता (65), प्रदीप सिंह (32) और अन्य लोग शामिल हैं। इलाज के बाद सभी को प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया। डॉक्टर अनिल कुमार ने बताया कि सभी मरीजों की स्थिति अब खतरे से बाहर है और उन्हें आवश्यक दवाएं देकर निगरानी में रखा गया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि भोजन में किसी तरह की गड़बड़ी या दूषित सामग्री के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि भोजन की गुणवत्ता और आपूर्ति में हुई लापरवाही का पता लगाया जा सके।

फूड पॉइजनिंग से मची अफरा-तफरी

राखी सावंत का आगरा मेयर पर तंज

आशा भोसले नाम गलत बोलने पर विवाद बढ़ा

यूनिक समय, आगरा। मुंबई एयरपोर्ट पर एक्ट्रेस राखी सावंत ने आगरा की मेयर हेमलता दिवाकर पर तीखी टिप्पणी करते हुए सवाल उठाया कि क्या वे "पढ़ी-लिखी नहीं हैं?" यह बयान उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान दिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। विवाद की वजह एक पुराना वीडियो है जिसमें मेयर ने गायिका आशा भोसले को श्रद्धांजलि देते समय उनका नाम दो बार गलत तरीके से "आशा घोसले" कहा था।

राखी सावंत ने इस गलती पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आशा भोसले भारतीय संगीत की बड़ी हस्ती हैं और उनका नाम गलत बोलना गंभीर बात है। उन्होंने मेयर पर तंज कसते हुए कहा कि इतनी बड़ी शख्सियत के बारे में सही जानकारी होनी चाहिए।

दूसरी ओर, मेयर हेमलता दिवाकर ने वायरल वीडियो को एडिटेड बताते हुए सोशल मीडिया पर सफाई दी है और कहा कि उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि वीडियो में छेड़छाड़ की गई है।

इस विवाद के बाद सोशल मीडिया पर लोग दो हिस्सों में बंट गए हैं-कुछ लोगों ने राखी सावंत की टिप्पणी का समर्थन किया है, जबकि कई यूजर्स ने इसे अनावश्यक विवाद बताया है। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है और दोनों पक्षों की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं।

मेयर हेमलता दिवाकर ने वीडियो को बताया एडिटेड

सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया

लखनऊ अग्निकांड दो बच्चों की मौत

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के विकास नगर सेक्टर-12 में लगी भीषण आग में बड़ा हादसा सामने आया है। बुधवार शाम लगी आग में दो मासूम बच्चों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई बच्चे अब भी लापता बताए जा रहे हैं। आग ने देखते ही देखते 200 से ज्यादा झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया और पूरी बस्ती राख में बदल गई।

तेज हवाओं और सिलेंडर फटने से आग और भड़क गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाकर भागे, कई परिवारों का सारा सामान जलकर खाक हो गया। मौके पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। स्थिति को देखते हुए क्षेत्र में भारी पुलिस बल और आरआरएफ की तैनाती की गई। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। कार्रवाई के दौरान जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई भी मौके पर पहुंचे और स्थिति की निगरानी की। प्रशासन ने बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह से कोर्ट के आदेश के तहत की गई है। गांव में स्थित खाद के गड्ढे की जमीन पर अवैध रूप से निर्माण किया गया था, जिसे पहले ही बेदखली आदेश जारी कर हटाने का निर्देश दिया गया था। बुलडोजर कार्रवाई के दौरान इमामबाड़ा और ईदगाह के ढांचे को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराना प्राथमिकता है और आगे भी ऐसे अवैध निर्माणों पर कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है, हालांकि प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में बताया है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

200 से ज्यादा झोपड़ियां राख

सीएम योगी ने दिए सख्त निर्देश

22 दमकल गाड़ियों ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन अब लापता बच्चों की तलाश और प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में जुटा है।

यूपी में भीषण गर्मी का असर कई जिलों में लू का कहर

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गर्मी ने जोर पकड़ लिया है और तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। बांदा सबसे गर्म जिला रहा, जहां पारा 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, झांसी और हमीरपुर समेत कई जिलों में तेज धूप और लू से जनजीवन प्रभावित है। 15 से अधिक जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में गर्मी और बढ़ने की चेतावनी दी है।

सिविल सेवा की तैयारी को लेकर बेटी-पिता विवाद पहुंचा हाईकोर्ट, जांच के आदेश

यूनिक समय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी को लेकर पिता और बेटी के बीच विवाद अब इलाहाबाद हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। मुरादाबाद की एक युवती ने अदालत से सुरक्षा की गुहार लगाते हुए कहा कि वह अपनी सहेली के साथ रहकर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करना चाहती है, लेकिन उसके पिता इसका विरोध कर रहे हैं। युवती का कहना है कि वह बालिग है और अपनी इच्छा से पढ़ाई और करियर चुनने का अधिकार रखती है। उसने आरोप लगाया कि परिवार उसे जबरन घर वापस बुलाना चाहता है और उसकी पढ़ाई में बाधा डाल रहा है। वहीं दूसरी ओर, पिता ने बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है और आरोप लगाया है कि उसकी सहेली उसे बहला-फुसलाकर गलत रास्ते पर ले जा रही है। मामले की सुनवाई कर रही हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मुरादाबाद के एसएसपी को निर्देश दिया है कि पूरे विवाद की जांच कर सीलबंद रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। कोर्ट ने यह भी कहा है कि जांच किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी द्वारा की जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

इस मामले में दोनों पक्षों के दावे एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। जहां बेटी अपने करियर और स्वतंत्रता की बात कर रही है, वहीं पिता उसे गुमराह होने की आशंका जता रहे हैं। फिलहाल अदालत के आदेश के बाद पुलिस जांच शुरू हो गई है।

सहेली के साथ रह कर तैयारी करने का पिता ने किया विरोध

संभल में बुलडोजर कार्रवाई

सरकारी जमीन पर बने इमामबाड़ा और ईदगाह ध्वस्त

यूनिक समय, संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के गांव बिछौली में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सरकारी जमीन पर बने इमामबाड़ा और ईदगाह को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई तहसीलदार न्यायालय के बेदखली आदेश के तहत की गई, जिसके बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, प्रशासनिक टीम सुबह करीब 9 बजे चार बुलडोजरों के साथ मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान एसडीएम निधि पटेल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बुलडोजरों ने लगातार ढांचे को गिराना शुरू किया, जिससे मौके पर

इलाके में तनाव

गाजियाबाद में भीषण आग: 500 से ज्यादा झुग्गियां जलकर खाक

सिलेंडर के धमाकों से दहला इलाका

यूनिक समय, नई दिल्ली। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में गुरुवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब झुग्गी बस्ती में अचानक भीषण आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और 500 से अधिक झुग्गियां इसकी चपेट में आकर जलकर राख हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को अपने सामान निकालने तक का मौका नहीं मिला। आग लगते ही झुग्गियों में रखे एलपीजी सिलेंडरएक के बाद एक फटने लगे, जिससे पूरे इलाके में जोरदार धमाकों की आवाजें गूंज उठीं। धमाकों से आसपास के लोग दहशत में आ गए और इलाके में अफरा–तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने के लिए दर्जनों दमकल गाड़ियों को लगाया गया और लगातार पानी की बौछारें की जा रही हैं। हालांकि आग इतनी बड़ी थी कि इसे पूरी तरह बुझाने में कई घंटे लगने की संभावना जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों ने भी राहत और बचाव कार्य में मदद करने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता के कारण काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई परिवारों का पूरा सामान जलकर खाक हो गया, जिससे वे बेघर हो गए हैं।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिकता आग को पूरी तरह बुझाना और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना है।इस दर्दनाक घटना ने सैकड़ों परिवारों की जिंदगी प्रभावित कर दी है और इलाके में भारी तनाव का माहौल बना हुआ है।

संसद में महिला आरक्षण बिल पर लोकसभा में जोरदार बहस

यूनिक समय, नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल को लेकर लोकसभा में आज पूरे दिन तीखी बहस देखने को मिली। मोदी सरकार ने 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को पूरी तरह लागू करने के लिए तीन अहम विधेयक सदन में पेश किए, जिनमें महिला आरक्षण संशोधन बिल 2026, परिसीमन बिल 2026 और केंद्र शासित प्रदेश संशोधन बिल 2026 शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन विधेयकों का उद्देश्य देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करना और उन्हें संसद एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सदन में इन बिलों को पेश करते हुए कहा कि यह कदम महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक साबित होगा।

लोकसभा में चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आरक्षण मौजूदा 543 सीटों पर ही लागू होना चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि सरकार परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। वहीं सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि परिसीमन और संवैधानिक संशोधन के बिना महिला आरक्षण को लागू करना संभव नहीं है। सदन में इस मुद्दे पर 18 घंटे की चर्चा तय की गई है और कल शाम 4 बजे फाइनल वोटिंग होगी। बहस के दौरान विपक्षी दलों ने ओबीसी और अन्य वर्गों के आरक्षण को लेकर भी सवाल उठाए और सरकार की नीयत पर संदेह जताया। दूसरी ओर सत्ता पक्ष ने कहा कि यह बिल देश की आधी आबादी को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने का ऐतिहासिक अवसर है। राज्यसभा में भी इस पर चर्चा 18 अप्रैल को होगी। पूरा देश इस महत्वपूर्ण फैसले पर नजर बनाए हुए है, जो भारतीय राजनीति की दिशा बदल सकता है।

विपक्ष और सरकार आमने–सामने

महिला आरक्षण और परिसीमन पर कांग्रेस ने जताया विरोध

लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन और परिसीमन बिल को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा कि पार्टी अपना रुख पहले ही स्पष्ट कर चुकी है और अब कुछ जोड़ने की आवश्यकता नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि विपक्ष परिसीमन बिल का एकजुट होकर विरोध करेगा और सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर रही है। राहुल गांधी ने भी आरोप लगाया कि यह प्रस्ताव राजनीतिक लाभ से जुड़ा है और कांग्रेस महिला आरक्षण का समर्थन करती है, लेकिन मौजूदा ढांचे पर सवाल हैं। संसद में सरकार और विपक्ष के बीच इस मुद्दे पर तीखी बहस जारी है। सरकार का कहना है कि यह कदम महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने और राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए जरूरी है।

पंजाब में आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

एक आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रक से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से दो विदेशी पिस्तौल, चार हथगोले और भारी मात्रा में गोला–बारूद बरामद हुआ है।

डीजीपी गौरव यादव के अनुसार, यह मॉड्यूल विदेशी हैंडलर्स के इशारों पर काम कर रहा था और इसका संबंध हाल ही में चंडीगढ़ में हुए ग्रेनेड हमले से भी जोड़ा जा रहा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में था।

पुलिस ने अमृतसर और मोहाली की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट के साथ संयुक्त अभियान चलाकर यह सफलता हासिल की। इस मामले में अमृतसर के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। अधिकारियों ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए जांच तेज कर दी गई है।

ईरान तेल सौदे पर अमेरिका की सख्ती

ट्रंप ने दी टैरिफ की खुली धमकी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका ने ईरान से तेल खरीदने वाले देशों पर दबाव बढ़ाते हुए कड़े प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरानी तेल खरीदने वाले देशों पर सेकेंडरी सैंक्शन और टैरिफ लगाए जा सकते हैं, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में तनाव बढ़ गया है।

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यदि किसी देश के बैंकिंग सिस्टम में ईरान का धन पाया गया तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। अमेरिका की यह नीति ईरान की तेल निर्यात क्षमता को सीमित करने और उसकी अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। चीन ईरान का सबसे बड़ा तेल खरीदार माना जाता है, ऐसे में उस पर सीधे असर की आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि चीन ने खरीद जारी रखी तो अमेरिका–चीन के बीच आर्थिक तनाव और बढ़ सकता है।

अमेरिका ने ईरानी तेल परिवहन नेटवर्क पर भी नए प्रतिबंध लगाए हैं और कई कंपनियों व जहाजों को ब्लैकलिस्ट किया है। इससे वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों पर असर पड़ने की संभावना है।

अहम बैठक में भारत–ऑस्ट्रिया संबंधों से मिलेगी नई मजबूती

यूनिक समय, नई दिल्ली। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर के बीच महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और ऑस्ट्रिया के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद रहे। दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, रक्षा, सेमीकंडक्टर, ग्रीन एनर्जी, बायोटेक्नोलॉजी और स्टार्टअप्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। कई महत्वपूर्ण समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए, जिससे आर्थिक और तकनीकी साझेदारी को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। पीएम मोदी ने कहा कि यह यात्रा व्यापार और निवेश के नए अवसर खोलेगी और दोनों देशों की सप्लाई चेन को मजबूत करेगी। साथ ही उन्होंने वैश्विक तनाव के बीच शांति और संवाद को जरूरी बताया। चांसलर स्टॉकर की यह पहली भारत यात्रा है, जिसमें एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल है। दोनों देशों ने युवाओं के लिए वर्किंग हॉलिडे प्रोग्राम और रिसर्च सहयोग को भी बढ़ावा देने पर सहमति जताई।

लेंसकार्ट ड्रेस कोड विवाद: हिजाब-पगड़ी को अनुमति

तिलक और सिंदूर पर बैन से बवाल

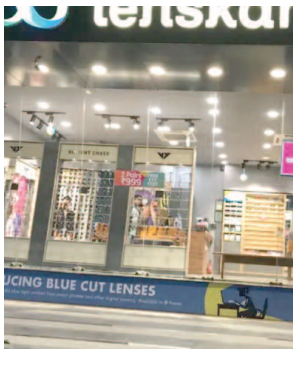

यूनिक समय, नई दिल्ली। लेंसकार्ट के नए स्टाइल गाइड को लेकर सोशल मीडिया पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कंपनी की ड्रेस पॉलिसी में हिजाब और पगड़ी को अनुमति दिए जाने पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि तिलक, बिंदी, कलावा और सिंदूर जैसे धार्मिक प्रतीकों पर रोक लगाए जाने की आलोचना हो रही है।

फिल्म निर्देशक अशोक पंडित ने इस गाइडलाइन पर आपत्ति जताते हुए कंपनी के बहिष्कार की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह नीति हिंदू कर्मचारियों की धार्मिक भावनाओं को नजरअंदाज करती है। उनके अनुसार, एक ओर हिजाब और पगड़ी की अनुमति दी जा रही है, लेकिन दूसरी ओर पारंपरिक हिंदू प्रतीकों को प्रतिबंधित किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। कई यूजर्स ने कंपनी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है और इसे "भेदभावपूर्ण नीति" बताया है। वहीं कुछ लोगों ने कंपनी के ड्रेस कोड को कॉरपोरेट स्टैंडर्ड का हिस्सा बताया है।

अशोक पंडित और कुछ अन्य यूजर्स ने लेंसकार्ट के खिलाफ बायकॉट की मांग भी उठाई है, जिससे मामला और गरमा गया है। कंपनी की ओर से फिलहाल इस विवाद पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

नितिन नवीन ने राज्यसभा सदस्य के रूप में ली शपथ

यूनिक समय, नई दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें संसद भवन में औपचारिक रूप से शपथ दिलाई। नितिन नवीन ने हिंदी में शपथ ली, जिसके बाद सदन में तालियों की गूंज सुनाई दी।

शपथ ग्रहण के दौरान वे पारंपरिक अंदाज में नजर आए, माथे पर चंदन का तिलक और गले में अंगवस्त्र धारण किए हुए। इस मौके पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली।

कुल 16 नए सदस्यों ने राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण की, जिनमें असम, बिहार, हरियाणा, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और महाराष्ट्र के प्रतिनिधि शामिल हैं। नए सदस्यों के आने से सदन की कार्यवाही में नई ऊर्जा आने की उम्मीद है। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

16 नए सांसदों का स्वागत

आगरा रेल मंडल के मुख्य स्टेशनों पर चलाया गया टिकट जांच अभियान

यूनिक समय, आगरा। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के निर्देशानुसार वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के निर्देशन एवं मंडल वाणिज्य प्रबंधक वीरेंद्र सिंह चौहान और सहायक वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग संजय गौतम के सुपरविजन में आगरा मंडल के मुख्य स्टेशनों आगरा छावनी, आगरा किला, एवं मथुरा जं स्टेशनों पर बिना टिकट/अनियमित यात्रा/बिना बुक सामान ले जाने वाले एवं रेल परिसर में गंदगी फैलाने वाले यात्रियों के विरुद्ध मेगा किलेबंदी टिकट जांच अभियान चलाये गए। अभियान में मंडल वाणिज्य निरीक्षक/टिकट चेकिंग आरके सिंह के अतिरिक्त मुख्य टिकट निरीक्षक राशिद जमील सीटीआई आगरा छावनी, नागेन्द्र तिवारी सीटीआई मथुरा तथा एसके वर्मा सीटीआई/स्टेशन आगरा किला सहित सभी तीनों स्टेशनों पर बड़ी संख्या में टिकट चेकिंग स्टाफ मौजूद रहा। 340 बिना टिकट यात्रियों से 2,83,905 रुपए, अनियमित यात्रा करने वाले कुल 466 यात्रियों से 2,31,690 रुपए तथा निर्धारित सीमा से अधिक बिना बुक कराए सामान ले जाने वाले 1 यात्री से 490 रुपए का जुर्माना वसूला गया, जांच अभियान में पकड़े गए 807 यात्रियों से 5,16,085 रुपये का जुर्माना वसूल किया। जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि इस प्रकार की जांच मंडल में निरंतर कराई जा रही हैं, जिससे बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, बिना बुक लगेज, गंदगी फैलाने वालों यात्रियों पर रोक लगाई जा सके।

यात्रियों से पूछताछ करते रेल टिकट चेकिंग दल की टीम।

छाता कोतवाली में वाहनों की नीलामी

40.10 लाख रुपये में नीलाम हुए 104 वाहन

छाता कोतवाली परिसर में वाहनों की नीलामी में भाग लेने आए लोग अधिकारियों के सामने बैठे हुए।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। कोतवाली परिसर में वाहन नीलामी प्रक्रिया हुई। कोसीकलां इमरान नाम के कबाड़ी ने अंतिम बोली 40 लाख 10 हजार रुपए की लगाई। पुलिस प्रशासन ने कोतवाली परिसर में लंबे समय से खड़े लावारिस और जब्त वाहनों के निस्तारण के लिए नीलामी का आयोजन किया। नायब तहसीलदार शिव शंकर की अध्यक्षता में आयोजित इस नीलामी प्रक्रिया में 104 वाहनों को नीलाम किया। इससे सरकारी खजाने में 40 लाख 10 हजार रुपए का राजस्व जमा हुआ। दोपहर तीन बजे बाद लगी बोली में बोली लगाने वालों की भीड़ उमड़ी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस प्रक्रिया में 48 लोगों ने

कोसीकलां, मथुरा ,आगरा अन्य जगह से आए 48 खरीदारों ने आजमाया भाग्य

पंजीकरण करा बोली में भाग लिया। नीलामी की शुरुआत होते ही वाहनों को लेकर खरीदारों के बीच प्रतिस्पर्धा दिखी। दोपहिया और चार पहिया वाहनों के लिए एक साथ बोलियां लगाई गईं। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए नायब तहसीलदार, डीएसपी आशीष शर्मा ने खुद कमान संभाली। उनकी अध्यक्षता में गठित टीम ने एक–एक कर वाहनों की स्थिति और उनकी निर्धारित न्यूनतम कीमत की घोषणा की। इस दौरान कोतवाली प्रभारी कमलेश सिंह भी मौजूद रहे।

फाइलों में देरी, मैदान में सख्ती

दोहरी चुनौती से जूझ रहा माप–तौल विभाग

53 लाख रुपये से अधिक की वसूली

6400 व्यापारियों का सत्यापन

529 केस दर्ज, 360 को सम्मन

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। विधिक माप विज्ञान विभाग ने सीमित संसाधनों के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025–26 में उल्लेखनीय कार्रवाई करते हुए 6400 व्यापारियों तथा 18,698 माप–तौल उपकरणों का सत्यापन किया। विभाग की इस कार्रवाई से बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने और उपभोक्ता हितों की सुरक्षा को मजबूती मिली है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार वर्षभर में 529 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें से 360 मामलों में सम्मन जारी किए गए। नियमों के उल्लंघन पर की गई कार्रवाई के तहत विभाग ने 53.51 लाख रुपये की वसूली भी की, जो विभाग की निगरानी की सक्रियता को दर्शाता है। हालांकि, इन उपलब्धियों के बीच विभाग गंभीर स्टाफ संकट से जूझ रहा है। वरिष्ठ निरीक्षक पवन यादव ने बताया कि वर्ष 2023 में बाबू के प्रमोशन के बाद उनके स्थानांतरण से कार्यालय का प्रमुख पटल खाली हो गया। इसके अलावा बाबू, सहायक, चपरासी और चौकीदार के पद भी रिक्त हैं, जिससे दैनिक कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है।

स्टाफ की कमी के कारण फाइलों के निस्तारण, निरीक्षण प्रक्रिया और प्रशासनिक कार्यों में देरी की स्थिति बन रही है। इसके बावजूद विभाग ने सीमित संसाधनों में कार्य करते हुए लक्ष्य हासिल किया, जो कार्यकुशलता को दर्शाता है। माप–तौल में गड़बड़ी सीधे उपभोक्ता अधिकारों को प्रभावित करती है। ऐसे में विभाग की सख्ती जरूरी है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त संसाधन और स्टाफ की उपलब्धता भी उतनी ही आवश्यक है। अब सवाल यह उठता है कि जब सीमित संसाधनों में विभाग इतना प्रभावी प्रदर्शन कर रहा है तो पर्याप्त संसाधन मिलने पर उपभोक्ता संरक्षण व्यवस्था कितनी मजबूत हो सकती है।

हरदेव सैनी सीआरपीएफ जवान को मिला वीरता मेडल

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बा निवासी सीआरपीएफ जवान हरदेव सैनी को अदम्य साहस के लिए वीरता मेडल से सम्मानित होने पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रभा देवी ने फोन कर बधाई दी।

बता दे कि कस्बा के सैनी मोहल्ला निवासी हरदेव सैनी सीआरपीएफ में कांस्टेबल हैं। विगत दिनों दिल्ली में आयोजित सीआरपीएफ के कार्यक्रम में उनको अदम्य साहस व वीरता के लिए सीने पर वीरता मेडल लगाकर सीआरपीएफ के डीजी ने सम्मानित किया था। राष्ट्रपति के हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इसकी जानकारी होने पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रभा देवी शर्मा ने हरदेव को फोन कर इस साहस व वीरता के साथ उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।

वहीं चेयरमैन पतिनिधि मनीष लंबरदार ने बताया कि फोन पर हरदेव सैनी ने बताया कि वह बम्ब डिस्पोजल टीम के सदस्य हैं। वर्ष 2019 में बिहार में नक्सल हमले में बम्ब डिफ्यूज करने व नक्सलियों को मारने के लिए उनको वीरता मेडल सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने सम्मानित किया गया है।

सीआरपीएफ जवान हरदेव सैनी को वीरता मेडल से सम्मानित करते सीआरपीएफ के डीजी।

पुस्तक 'दोहा आलोक' अनुभव और अनुभूति के स्वर का विमोचन

पुस्तक 'दोहा आलोक' (अनुभव और अनुभूति के स्वर) का विमोचन करते अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। डॉ. संजय शर्मा 'वागर्थ' द्वारा रचित पुस्तक 'दोहा आलोक' अनुभव और अनुभूति के स्वर का विमोचन राजकीय जिला पुस्तकालय में मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. रवींद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि वित्त एवं लेखाधिकारी माध्यमिक शैलेन्द्र सिंह ने किया।

पुस्तक के लेखक डॉ. संजय शर्मा 'वागर्थ' ने बताया कि शैक्षणिक विषयों पर तो उनकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं लेकिन शैक्षणिक विषयों से इतर बहु प्रचलित साहित्य काव्य विधा दोहों पर उनकी ये प्रथम रचना है। उन्हें आशा है कि उनकी ये पुस्तक निश्चित ही साहित्य प्रेमियों के दिल में अपना स्थान बना सकेगी। वक्ताओं ने कहा कि निश्चित ही वागर्थ जी की ये पुस्तक इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। अध्यक्षता डॉ. राजीव पांडेय ने की। इस मौके पर धर्मेन्द्र अग्रवाल, जिला समन्वयक श्यामसुंदर शर्मा, डॉ. बिजेंद्र नागर, डॉ, अनिरुद्ध अवस्थी, प्रमुख संस्कृत भारती के प्रान्तीय मंत्री डॉ. धर्मेन्द्र अग्रवाल, जिला अध्यक्ष बिजेन्द्र नागर, बीएसए कालेज की पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. किरण चौधरी, राजकीय जिला पुस्तकालय की अध्यक्ष डॉ. शारदा मिश्रा, माध्यमिक शिक्षा के जिला समन्वयक श्यामसुंदर शर्मा तथा हिन्दी प्रवक्ता राजकुमार तिवारी आदि उपस्थित थे।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 100 से अधिक मरीजों को मिला लाभ

यूनिक समय, आगरा। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा खंदारी स्थित मंगल कामना हॉस्पिटल में निशुल्क स्वास्थ्य एवं आयुष्मान कार्ड शिविर आयोजित किया गया। शुभारंभ डॉ. शेखर वाजपेई एवं विवेक पाठक ने किया। शिविर में डॉ. विनायक वाजपेई ने 100 से अधिक मरीजों को किडनी, मूत्र एवं जननांग रोगों पर परामर्श दिया। मरीजों को जांचों में छूट और दवाइयां रियायती दरों पर दी गईं। 50 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। इस अवसर पर मुकेश नेचुरल, डॉ. निशा शर्मा, डॉ. शिवानी गुप्ता, अभिषेक पाठक, प्रतिभा जिंदल, डॉ. सतीश खिरवार, राजेश चतुर्वेदी, सोहम चतुर्वेदी, आशुतोष श्रोत्रिय एवं प्रमोद अग्रवाल उपस्थित रहे।

मिट्टी से लदे डंपर ने साइकिल सवार को रौंदा, मौत

हिंदुस्तान कालेज के सामने लेदर फैक्ट्री के पास हुए हादसे में साथी घायल

हादसे के बाद डंपर को कर दिया गया गायब

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। लेदर फैक्ट्री से साथी के साथ काम करके घर लौट रहे युवक को साइकिल समेत मिट्टी से लदे डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। आगरा के निजी अस्पताल में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है।

कस्बा के मोहल्ला निवासी रामदास भारती का पुत्र प्रमोद और कस्बा के मोहल्ला शाही सराय का रहने वाला आसिफ हिंदुस्तान कालेज के सामने स्थित लेदर फैक्ट्री में काम करते हैं। बुधवार रात 10:45 बजे दोनों युवक काम खत्म करके साइकिल से घर आने को निकले।

कुछ ही दूर साइकिल से दोनों युवक आगे बढ़े, तभी विपरीत दिशा से आ रहे मिट्टी से लदे डंपर यूपी 85 ईटी 2797 के चालक ने साइकिल में टक्कर मार दी। साइकिल में टक्कर लगते ही प्रमोद और आसिफ सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी पर फैक्ट्री के अन्य कर्मचारी बाहर निकाल आए और पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को कस्बा स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से फैक्ट्री के मैनेजर वेंकट दीप नारायण सिंह दोनों गंभीर हालत में आगरा स्थित सिकंदरा के एक निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे जहां गुरुवार की सुबह करीब साढ़े चार बजे प्रमोद को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। फैक्ट्री मैनेजर ने बताया कि गंभीर रूप से घायल आसिफ का उपचार चल रहा है। जानकारी पर मृत प्रमोद के परिजन भी मौके पर आ गए।

लेदर फैक्ट्री के समीप मिट्टी खनन का काम चल रहा है। मिट्टी से लदे डंपर उल्टी दिशा में दौड़ रहे हैं। हादसा होने की वजह भी यही बताई गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि साइकिल में टक्कर लगने के बाद डंपर को चालक तेजी से भगा ले गया और एक निजी कालोनी में ले जाकर खड़ा कर दिया। पुलिस भी डंपर को लेकर अंजान बनने का नाटक करती रही।

हत्या के प्रयास में वांछित दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे गांव तरौली जुनूबी छाता निवासी देवेंद्र उर्फ देवा और रतन सिंह को दबिश देकर उनके गांव से गिरफ्तार किया है।

स्मार्ट ग्राम पंचायत बाटी लोहिया सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित

डॉ. राम मनोहर लोहिया पंचायत सशक्तिकरण योजना के तहत मिला एक लाख रुपए का पुरस्कार

यूनिक समय, मथुरा। विकास खंड मथुरा की ग्राम पंचायत बाटी के ग्राम प्रधान एडवोकेट संजय धनगर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल अभियान से प्रेरित होकर ग्राम पंचायत बाटी को स्मार्ट ग्राम पंचायत बनाने में महती भूमिका निभाई। इसी के फलस्वरूप ग्राम पंचायत बाटी को यह उपलब्धि हासिल हुई है। वित्तीय वर्ष 2025– 26 में डॉ. राम मनोहर लोहिया पंचायत सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत पंचायत स्टेट रिव्यू कमेटी द्वारा प्रत्येक मंडल से एक स्मार्ट ग्राम पंचायत को पुरस्कृत किए जाने के निर्देश करते हुए ऑनलाइन प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। उसी के तहत ग्राम पंचायत बाटी विकासखंड मथुरा को आगरा मंडल में से पुरस्कार के लिए चयन किया गया और पुरस्कार की धनराशि एक लाख रुपए ग्राम पंचायत बाटी के खाते में आ चुकी है।

ग्राम पंचायत बाटी के प्रधान एडवोकेट संजय धनगर ने पुरस्कार मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि गांव के विकास कार्यों में गांव की सम्मानित जनता जनार्दन व पंचायती राज विभाग के समस्त अधिकारी गणों के द्वारा विकास कार्यों में मिले सहयोग से ही यह पुरस्कार मिला है और उन्होंने इस पुरुस्कार के मिलने पर जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल, खंड विकास अधिकारी ज्योति शर्मा, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) लतेश शर्मा, ग्राम पंचायत अधिकारी बिशन सिंह सहित सभी विकास वाहिनी को आभार जताया।